आज का विचार
कर्तव्य पथ पर चलने वाला कभी अकेला नहीं होता, जब नियत शुद्ध हो तो परमात्मा स्वयं सारथी बन जाते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | बुधवार, 29 अप्रैल, 2026 | वर्ष 24, अंक 102, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

यूरोप यात्रा ने पंजाब के किसानों, उद्योग और युवाओं के लिए नए दरवाजे खोले: भगवंत सिंह मान

जायका कंपनी के 1300 करोड़ के निवेश से पंजाब में उच्च गुणवत्ता वाली खेती और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा: मुख्यमंत्री

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अपने नीदरलैंड-फिनलैंड दौरे का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने कृषि, उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में विश्व भर से मजबूत सहयोग हासिल किया है, जिससे किसानों, युवाओं और राज्य की अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ पहुंचेगा। जायका कंपनी के 1300 करोड़ रुपए के निवेश, विश्वव्यापी कंपनियों की दिलचस्पी तथा केउ-केनहॉफ से फिनलैंड तक उन्नत कृषि-तकनीकी सहयोग पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये रणनीतिक साझेदारियां फसल विविधीकरण को तेज करेंगी, निवेश को आकर्षित करेंगी और पंजाब को नवाचार, अनुसंधान एवं विकास तथा उच्च गुणवत्ता वाली खेती के लिए विश्व स्तरीय केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित करेंगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पहले दिन नीदरलैंड में भारत के राजदूत ने पंजाब के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और 19 अप्रैल को प्रतिनिधिमंडल ने विश्व प्रसिद्ध बागवानी मॉडल केउकेनहॉफ का दौरा किया, जहां रोजाना 40,000 पर्यटक आते हैं। वहां हमने प्रतिनिधियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, इस दौरे का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में साझेदारी के अवसरों की पड़ताल करना था। बागवानी के विकास के लिए सहयोग पर चर्चा हुई और पंजाब से गुलाब की निर्यात संभावना का पता लगाया गया। उन्होंने कहा, जायका द्वारा किए जा रहे 1300 करोड़ रुपए के निवेश के अलावा यह समझौता फसल विविधीकरण को बड़ा प्रोत्साहन देने में मुख्य भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इस दौरे का उद्देश्य औद्योगिक निवेश और साझेदारी को प्रोत्साहित करना, शिक्षा और अनुसंधान में आदान-प्रदान को मजबूत करना, प्रौद्योगिकी के पारस्परिक आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करना तथा पंजाब के समग्र विकास के लिए योजना बनाना भी था। उन्होंने आगे कहा, बातचीत के दौरान आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ खेती में संयुक्त परियोजनाओं की संभावना की पड़ताल की गई तथा इस बात पर सहमति बनी कि उच्च मूल्य वाली फसलों और गुणवत्ता युक्त निर्यात उत्पादन के लिए सहयोग किया जाएगा। इस दौरे ने कौशल विकास और शैक्षणिक आदान-प्रदान के अवसरों के साथ-साथ नए औद्योगिक निवेशों और साझेदारियों के लिए रास्ते खोले। उन्होंने रणनीतिक साझेदारी बनाने पर जोर देते हुए प्रौद्योगिकी और नवाचार के आदान-प्रदान पर भी समझौता किया। नीदरलैंड वर्टिकल (लंबवत) खेती के लिए प्रसिद्ध है, जिसे पंजाब में दोहराया जा सकता है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 20 अप्रैल को प्रतिनिधिमंडल ने विश्व बागवानी केंद्र का दौरा किया और नीदरलैंड्स इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड ट्रेड के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा पंजाबी समुदाय से बातचीत की। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि हमारे जैसी खुली खेती में एक वर्ग मीटर में 6 किलो टमाटर पैदा होते हैं, जबकि वहां पॉलीहाउस में एक वर्ग मीटर में टमाटर का उत्पादन 100 किलो है। उन्होंने आगे कहा, प्रतिनिधिमंडल ने विदेशी निवेश और विश्वव्यापी साझेदारी को प्रोत्साहित करने तथा सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवाचार क्षेत्रों में अवसरों की पड़ताल के उद्देश्य से निवेश रोड शो भी किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीक और बागवानी मॉडलों को अपनाने, स्टार्ट-अप्स, अनुसंधान और कौशल विकास को प्रोत्साहित करने तथा पंजाब को विश्व स्तरीय निवेश और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार के प्रयासों ने वांछित परिणाम दिए क्योंकि मोहाली में एक अनुसंधान और विकास केंद्र तथा नवाचार हब का प्रस्ताव पेश किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब में एक बागवानी अनुभव और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की योजना को भी मंजूरी दे दी गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रवासी पंजाबी बेअदबी विरोधी कानून बनाने और पहली बार किसी पंजाबी प्रतिनिधिमंडल द्वारा नीदरलैंड का दौरा करने पर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने आगे कहा, विदेशी कंपनियां राज्य में निवेश और साझेदारी के लिए मजबूत दिलचस्पी दिखा रही हैं, जो प्रौद्योगिकी ट्रांसफर, अनुसंधान और स्टार्ट-अप्स में सहयोग के लिए नए अवसर खोलेगी।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस और संजीव अरोड़ा, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

महिला आरक्षण लागू करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा: मोदी

प्रधानमंत्री ने वाराणसी के लिए 6330 करोड़ की 163 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

एजेंसी (हि.स.)
वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश को विकसित बनाने का क्रम अनवरत चल रहा है। उसका सबसे मजबूत स्तंभ भारत की नारी है। आज सभी माताओं, बहनों से एक महायज्ञ की शुरूआत के लिए आशीर्वाद लेने आया हूं। यह लक्ष्य लोकसभा और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना है। हमने प्रयास किया लेकिन सपा और कांग्रेस जैसे दलों ने यह नहीं होने दिया। हम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए। आरक्षण लागू हो, इसमें मैं कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी वाराणसी में छह हजार 330 करोड़ की लागत वाली 163 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद नारी वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी दो अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा रवाना किया। यह ट्रेनें बनारस से पुणे एवं अयोध्या से मुंबई के लिए चलेंगी। उन्होंने बनास डेयरी के तीन लाख 21 हजार 813 दुग्ध उत्पादकों को बोनस राशि का भी उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स ग्राउंड पर नारी वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी काशी माता श्रृंगार गौरी, अन्नपूर्णा, विशालाक्षी, माता संकटा और मां गंगा की दिव्य धरती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भोजपुरी में माताओं, बहनों को प्रणाम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को विकसित बनाने का क्रम अनवरत चल रहा है। उसका सबसे मजबूत स्तंभ भारत की नारी है। आज सभी माताओं, बहनों से एक महायज्ञ की शुरूआत के लिए आशीर्वाद लेने आया हूं। यह लक्ष्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना है। प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस, सपा और टीएमसी समेत अन्य विपक्षी दलों को महिला विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण लागू करने का हमने प्रयास किया लेकिन सपा और कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों ने यह नहीं होने दिया। हम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए। आरक्षण लागू हो, इसमें कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा। इस मौके पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, उप्र भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक व अन्य नेता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने काशी को दी 6332 करोड़ की 163 परियोजनाओं की बड़ी सौगात

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को 6332 करोड़ रुपये की 163 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री ने दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों–बनारस से पुणे (हडपसर) और अयोध्या से मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। बरेका इंटर कॉलेज मैदान पर मंगलवार को आयोजित एक जनसभा में प्रधानमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 163 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 1054.69 करोड़ रुपये की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 5277.39 करोड़ रुपये की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। बरेका परिसर में जनआक्रोश महिला सम्मेलन में बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि पहली बार महिलाओं ने न केवल जनसभा में सक्रिय भूमिका निभाई, बल्कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में भी अहम जिम्मेदारी संभाली। सभा स्थल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुली जीप पर सवार होकर पहुंचे। प्रधानमंत्री मातृशक्ति के बीच पहुंचकर उनका अभिवादन भी स्वीकार करते रहे। मोदी ने देश को विकसित बनाने के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाने में भारत की नारी शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण बताई। मंच पर नए संसद भवन का चित्र लगा था। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रीय पक्षी मोर की प्रतिमा भी भेंट की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने काशी से पुणे और अयोध्या से मुंबई के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का भी शुभारंभ किया। इन ट्रेनों सेमहाराष्ट्र के लोगों को काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या आने के लिए एक आधुनिक और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित कई मंत्री और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केंद्र ने श्रमिकों की लू से सुरक्षा के लिए राष्ट्रव्यापी परामर्श जारी किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को परामर्श जारी करते हुए कर्मियों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल निवारक तथा राहत उपाय अपनाने का आग्रह किया है।

मंत्रालय ने मुख्य सचिवों और प्रशासकों को भेजे पत्र में कहा है कि विशेष रूप से बाहरी और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समन्वित और बहु-आयामी रणनीति अपनाई जाए।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया है कि वे नियोक्ताओं, ठेकेदारों, उद्योगों और निर्माण कंपनियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें। इनमें काम के घंटों का पुनर्निर्धारण, पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना तथा कार्यस्थलों और विश्राम स्थलों को ठंडा रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल है।

परामर्श में यह भी कहा गया है कि निर्माण स्थलों सहित विभिन्न कार्यस्थलों पर आपातकालीन आइस पैक और गर्मी से बचाव की सामग्री उपलब्ध कराई जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर श्रमिकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए।

कारखानों और खदानों के प्रबंधन को अत्यधिक गर्मी के दौरान कार्य की गति धीमी करने, आवश्यक होने पर दो श्रमिकों की टीम तैनात करने, विश्राम की व्यवस्था करने और कार्यस्थलों को हवादार तथा ठंडा रखने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने निर्माण श्रमिकों, ईंट भट्ठों में काम करने वाले मजदूरों, दिहाड़ी और अस्थायी श्रमिकों पर विशेष ध्यान देने को कहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाने, पोस्टर-बैनर लगाने और लू से बचाव संबंधी संदेश प्रसारित करने पर जोर दिया गया है। राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षण बोर्ड के प्रशिक्षण महानिदेशालय को लू से बचाव और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया है, जिसमें लू के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय, सुरक्षित कार्य पद्धतियां और प्राथमिक उपचार शामिल होंगे।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और श्रम कल्याण महानिदेशालय के तहत अस्पतालों और औषधालयों को लू से संबंधित मामलों के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने तथा ओआरएस और अन्य आवश्यक सामग्री का पर्याप्त भंडार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य श्रम आयुक्त और खान सुरक्षा महानिदेशालय जैसी एजेंसियों को सुरक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करने को कहा गया है। वहीं, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और राष्ट्रीय कैरियर सेवा को अपने शिविरों के दौरान भी श्रमिकों के लिए ठंडे और हवादार कार्यस्थल तथा पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने जम्मू-कश्मीर में 330 नई सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ किया

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में कच्चे मकानों में रह रहे सभी पांच लाख परिवारों को भौतिक सत्यापन के बाद पक्के मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के द्वितीय बैच के तहत 3,550 करोड़ रुपये की लागत से 1,600 किलोमीटर लंबी 330 नई

सड़क परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। श्रीनगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुए एक नए सर्वेक्षण में पाया गया है कि पांच लाख परिवारों के पास स्थायी आवास नहीं है। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के बाद मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर में कोई भी कच्चे मकान में नहीं रहेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर के विकास को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। हम जम्मू-कश्मीर को सर्वोपरि मानते हैं। पीएमजीएसवाई चरण-चार, प्रथम बैच के तहत सड़क परियोजनाओं को मंजूरी पाने वाला यह पहला राज्य था और द्वितीय बैच में भी मंजूरी पाने वाला यह पहला राज्य है।

महिला स्वयं सहायता समूहों के बारे में चौहान ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 4,000 करोड़ रुपये वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दो लाख लखपति दीदियां हैं। हम चाहते हैं कि इस देश में कोई भी गरीब न रहे। मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए योजनाएं शुरू कर रही है और नए उपाय कर रही है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने काशी बाबा के किए दर्शन, नितिन नवीन ने की पूरे विश्व में शांति और समृद्धि की कामना

एजेंसी (हि.स.)
वाराणसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन कर रुद्राभिषेक किया। उन्होंने यहां पूरे विश्व की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पूजा अर्चना के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि भगवान शिव की नगरी में आने से बाबा विश्वनाथ के दर्शन का शुभ अवसर मिला। साथ में रुद्राभिषेक करने का शुभ अवसर मिला है। बाबा विश्वनाथ की नगरी से पूरे विश्व की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करता हूं। कामना करता हूं, उत्तर प्रदेश और भी उत्तम प्रदेश बने, यहां के लोगों को बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद ऐसे भी मिलता है और आगे भी यह आशीर्वाद मिलता रहे। उत्तर प्रदेश जिस तरह से उत्तम प्रदेश के रूप में आगे बढ़ रहा है, निश्चित रूप से इसका गौरवशाली इतिहास रहा है। उत्तर प्रदेश भविष्य में भी सुनहरा बनेगा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल, मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और वाराणसी दक्षिणी के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी मौजूद रहे।

सिर्फ लक्ष्य बनाना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें समय पर पूरा करना और उनकी नियमित समीक्षा करना भी जरूरी: नायब सिंह सैनी

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के हर विभाग को अपने कार्य के लिए 2030 तक के तय किए गए टारगेट को साल-दर-साल टाइमलाइन के साथ बनाएं। सिर्फ लक्ष्य बनाना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें समय पर पूरा करना और उनकी नियमित समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि योजनाओं का फायदा सीधे लोगों तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को सचिवालय में स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान से संबंधित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभागीय 5-वर्षीय कार्यान्वयन रोडमैप को लेकर अलग–अलग विभागों की समीक्षा की गई।

- विभागीय 5-वर्षीय कार्यान्वयन रोडमैप को लेकर मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक, विजन टू एक्शन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लानिंग टूल को किया गया लांच

इस दौरान मुख्यमंत्री ने ह्वविजन टू एक्शन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसह्व प्लानिंग टूल को भी लांच किया। स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरु ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस टूल को एक्शन प्लान को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। उद्देश्य यही है कि 5 साल के टारगेट क्लियर हो, साथ ही विभागों की रिपोर्ट भी यूनिफार्म जनरेट होगी। इसमें विभागों के लिए यह भी सहुलियत होगी कि उन्हें साल दर साल दिए जाने वाले लक्ष्यों का भी आसानी से पता लग सकेगा। ऐसे में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में हरियाणा भी चरणबद्ध तरीके से योगदान दे पाएगा।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष अलग अलग विभागों के अधिकारियों ने 2026 से लेकर 2030 तक किए जाने वाले कार्यों का उल्लेख किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को बताया गया कि इन 5 सालों में विभागों की क्या–क्या योजनाएं है। जिन विभागों ने अपनी योजनाएं बताई उनमें उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग शामिल थे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आने वाले 5 साल बेहद अहम हैं और अगर योजनाओं को सही तरीके से लागू किया जाए, तो 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य आसानी से हासिल करते हुए हरियाणा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करने में अहम योगदान देगा। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र सरकार के नीति आयोग के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए तमाम रिफॉर्म पर काम करें, ताकि योजनाओं को सही और प्रभावी तौर पर लागू करते हुए अधिक से अधिक लाभ प्रदेशवासियों को मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय कम है और लक्ष्य बड़े हैं, इसलिए सभी विभाग मजबूत योजना बनाकर काम करें। साथ ही यह भी देखें कि तय समय में योजनाओं का जमीनी स्तर पर कितना असर हुआ है या होने वाला है, इस पर लगातार नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग मिलकर बेहतर तरीके से काम करें, नई सोच अपनाएं और आगे की तैयारी पहले से करें, ताकि प्रदेश की तरक्की की रफ्तार और तेज हो सके।

मुख्मयंत्री ने यह दिया एक्शन प्लान

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने एक्शन प्लान संबंधित हिदायत देते हुए कहा कि आगामी 5 वर्षों की प्राथमिकताएं स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाएं और उन्हें वर्ष-दर-वर्ष मापने योग्य बनाया जाए, ताकि प्रगति की नियमित समीक्षा संभव हो सके। उन्होंने कहा कि सभी समय-सीमाएं यथार्थवादी होने के साथ-साथ महत्वाकांक्षी भी हों और योजनाएं जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव लाने वाली हों। मुख्यमंत्री ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने, लक्ष्यों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही तय करने तथा एक मजबूत मॉनिटरिंग तंत्र विकसित करने पर जोर दिया, ताकि एक्शन प्लान का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी विभाग के विजन के बारे में बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विजन 2047 का लक्ष्य निर्धारित कर नई शिक्षा नीति के तहत विभाग अनुसार कार्य करें ताकि हर साल पूरी तत्परता से कार्य करते हुए वांछित लक्ष्य हासिल किया जा सके। इसके लिए उच्चतर शिक्षा पर विशेष फोकस किया जाए ताकि युवाओं को गुणवत्तायुक्त एवं रोजगारपरक शिक्षा सुलभ हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश भर के प्रतिष्ठित आईआईटी जैसे शिक्षित संस्थानों की तर्ज पर ग्रेडिंग में लाने के लिए नई शिक्षा नीति के तहत कार्य करें ताकि उच्च गुणवतायुक्त शिक्षा भी सुलभ करवाई जा सके। इसके अलावा उनके सौन्दर्यकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों को अव्वल बनाने के लिए बेहतर कार्य करने वाले विश्वविद्यालयों को शिक्षा में सुधार करने के लिए 5-5 करोड़ रुपए की ग्रांट दी जाएगी।

मुख्यमंत्री उमर ने केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान को जम्मू-कश्मीर का सच्चा मित्र बताया

कहा, पीएमजीएसवाई- सुदूर पहाड़ी इलाकों में पहुंचेगी विकास की रोशनी

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को जम्मू-कश्मीर का सच्चा मित्र और हमदर्द बताते हुए श्रीनगर के एसकेआईसीसी में पीएमजीएसवाई चरण-चार (बैच-दो) के शुभारंभ के अवसर पर ग्रामीण संपर्क और केंद्र-केंद्र शासित प्रदेश सहयोग पर एक सशक्त राजनीतिक संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उन्हें मध्य प्रदेश में प्रचलित उपनाम मामा कहकर संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि चौहान ने निर्वाचित सरकार के पिछले डेढ़ वर्षों में जम्मू-कश्मीर का बार-बार समर्थन किया है।

उन्होंने कहा कि जो भी मंजूरी दी गई है, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जमीनी स्तर पर काम शुरू हो। आने वाले महीनों में हम कार्यान्वयन शुरू करेंगे और शेष आवश्यकताओं को भी पूरा करेंगे। ग्रामीण संपर्क का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएमजीएसवाई (प्रसव एवं आजीविका प्रबंधन) योजना ने जम्मू-कश्मीर के दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों में जीवन को काफी हद तक बदल दिया है। मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि जिन लोगों को पहले सड़क तक पहुंचने के लिए चार से पांच घंटे पैदल चलना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें मोटर योग्य परिवहन की सुविधा मिल गई है। चरण 2, चरण 3 और अब चरण 4 के कारण अस्पतालों, स्कूलों और बाजारों तक पहुंच में सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का ध्यान ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और बस्तियों को जोड़ने पर केंद्रित है, जिनमें पहाड़ी क्षेत्रों में बिखरी हुई या छोटी आबादी वाली बस्तियां भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारी असली ताकत गांवों में है। हमारी विरासत और अर्थव्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी हुई है और हमारा प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को हर संभव तरीके से मजबूत करना है। मुख्यमंत्री उमर ने स्वयं सहायता समूह कार्यक्रमों सहित ग्रामीण विकास और आजीविका मिशनों के तहत चल रही पहलों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए अवसरों का विस्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में किसानों द्वारा सामना की जा रही मौसम संबंधी चुनौतियों का हवाला देते हुए कृषि और बागवानी क्षेत्रों को, विशेष रूप से फसल आधारित बीमा तंत्र के माध्यम से अधिक मजबूत समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि पीएमजीएसवाई चरण-चार के तहत स्वीकृत सभी कार्यों को मिशन मोड में पूरा किया जाएगा ताकि जम्मू और कश्मीर में समय पर कार्य संपन्न हो सके और कनेक्टिविटी में सुधार हो सके।

शिवराज सिंह चौहान ने जम्मू-कश्मीर में ३३० नई सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ किया

श्रीनगर। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में कच्चे मकानों में रह रहे सभी पांच लाख परिवारों को भौतिक सत्यापन के बाद पक्के मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के द्वितीय बैच के तहत 3,550 करोड़ रुपये की लागत से 1,600 किलोमीटर लंबी 330 नई सड़क परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। श्रीनगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुए एक नए सर्वेक्षण में पाया गया है कि पांच लाख परिवारों के पास स्थायी आवास नहीं है। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के बाद मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर में कोई भी कच्चे मकान में नहीं रहेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर के विकास को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। हम जम्मू-कश्मीर को सर्वोपरि मानते हैं। पीएमजीएसवाई चरण-चार, प्रथम बैच के तहत सड़क परियोजनाओं को मंजूरी पाने वाला यह पहला राज्य था और द्वितीय बैच में भी मंजूरी पाने वाला यह पहला राज्य है। महिला स्वयं सहायता समूहों के बारे में चौहान ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 4,000 करोड़ रुपये वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दो लाख लखपति दीदियां हैं। हम चाहते हैं कि इस देश में कोई भी गरीब न रहे।

हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव की घोषणा तीन चरणों में मतदान, 31 मई को नतीजे

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव का बिगुल बज गया है। मंगलवार को इसकी औपचारिक घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। इस बार प्रदेश की 3754 ग्राम पंचायतों में चुनाव कराए जाएंगे। मतदान तीन चरणों में 26, 28 और 30 मई को होगा। मतदान सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक कराया जाएगा। पंचायत स्तर के पदों की मतगणना मतदान के तुरंत बाद पंचायत मुख्यालयों में होगी, जबकि बीडीसी और जिला परिषद सदस्यों की गिनती 31 मई को सुबह 9 बजे से ब्लॉक मुख्यालयों में की जाएगी। सभी मतगणना केंद्रों पर वीडियोग्राफी होगी और संवेदनशील केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था भी होगी।

नामांकन से लेकर चुनाव चिन्ह तक पूरी प्रक्रिया तय राज्य चुनाव आयुक्त अनिल खाची ने प्रेस वार्ता में बताया कि नामांकन प्रक्रिया 7, 8 और 11 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी। 12 मई को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। इसके बाद 14 और 15 मई को उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। 15 मई को ही अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी और चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। मतदान केंद्रों की सूची 7 मई या उससे पहले प्रकाशित कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में 51 शहरी निकायों के चुनाव पहले ही घोषित किए जा चुके हैं, जिनके लिए 17 मई को मतदान होगा। 50 लाख से ज्यादा मतदाता, 31,182 पदों पर चुनाव राज्य में इस बार कुल 50 लाख 79 हजार 48 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 25 लाख 67 हजार 777 पुरुष और 25 लाख 11 हजार 249 महिलाएं शामिल हैं। करीब 52 हजार युवा पहली बार मतदान करेंगे, जिनमें लगभग 23 हजार महिलाएं हैं। पूरे प्रदेश में 21 हजार 678 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। लाहौल-स्पीति के काजा के लांगजा स्थित कामो पाठशाला में 4587 मीटर की ऊंचाई पर सबसे ऊंचा मतदान केंद्र होगा। वहीं, सिरमौर जिले के पांवटा साहिब की एक पंचायत में सबसे अधिक मतदाता हैं, जबकि किन्नौर के पूह क्षेत्र के सुमरा गांव में सबसे कम 178 मतदाता दर्ज हैं। इन चुनावों में कुल 31,182 पदों पर मतदान होगा, जिनमें 3,754 प्रधान, 3,754 उपप्रधान, 21,654 वार्ड सदस्य, 1,769 बीडीसी सदस्य और 251 जिला परिषद सदस्य शामिल हैं। पांच रंग के मतपत्र, चुनाव को माना जा रहा सेमीफाइनल मतदाताओं को इस बार पांच अलग-अलग रंग के मतपत्र दिए जाएंगे। इनमें वार्ड सदस्य के लिए सफेद, उपप्रधान के लिए पीला, प्रधान के लिए हल्का हरा, बीडीसी सदस्य के लिए गुलाबी और जिला परिषद सदस्य के लिए हल्का नीला बैलेट पेपर होगा। मतदाता वोटर सारथी ऐप और निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपना नाम देख सकते हैं।

हिमाचल के 10 खिलाड़ी नेपाल में दिखाएंगे दम

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

नेपाल में आयोजित होने वाली 7वीं एशियन स्वात फ्रेंच किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में चयनित हिमाचल प्रदेश के 10 खिलाड़ी दिखाएंगे अपना दम। उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने इन खिलाड़ियों को भारतीय ध्वज सौंपकर काठमांडू के लिए रवाना किया। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि यहां के युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तिरंगे का मान बढ़ाएंगे। यह प्रतियोगिता 29 अप्रैल से 3 मई तक नेपाल के काठमांडू विश्वविद्यालय में आयोजित की जाएगी, जिसमें एशिया के विभिन्न देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे। हिमाचल के खिलाड़ी अलग-अलग भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। टीम में काव्यांशी ठाकुर 39 किलोग्राम, वरुण वालिया 52 किलोग्राम, राहुल 56 किलोग्राम, सूर्य प्रताप सिंह कटवाल 60 किलोग्राम, अमर चंद 52 किलोग्राम, ऋषभ शर्मा 65 किलोग्राम, पंकज कुमार 75 किलोग्राम, होमनी 52 किलोग्राम, रेखा 56 किलोग्राम और सपना कुमारी 75 किलोग्राम शामिल हैं। भारतीय महिला टीम की कोच के रूप में संतोषी देवी टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि अमर चंद और पंकज कुमार को ऑफिशियल जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। इस उपलब्धि पर स्वात एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश के पदाधिकारियों ने खुशी जताते हुए कहा कि उपायुक्त द्वारा खिलाड़ियों को ध्वज सौंपकर रवाना करने से उनका मनोबल बढ़ा है और प्रदेश को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

ट्रैफिक चेकिंग के दौरान बाइक सवार ने पुलिसकर्मी को मारी टक्कर

नाहन। सिरमौर जिले के रेणुका जी क्षेत्र में कानून की धज्जियां उड़ाने का एक मामला सामने आया है, जहां एक बेलगाम मोटरसाइकिल सवार ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी। घटना सोमवार 27 अप्रैल की है, जब रेणुका जी पुलिस की टीम विशेष अभियान के तहत ददाहु-नाहन सड़क पर दृष्टि होटल के पास यातायात चेकिंग कर रही थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चेकिंग के दौरान बायरी की तरफ से एक मोटरसाइकिल आई। जब पुलिस टीम ने चालक को रुकने का इशारा किया, तो उसने वाहन रोकने के बजाय उसकी गति और बढ़ा दी। लापरवाही से कट मारते हुए भागने की कोशिश में चालक का हेलमेट ड्यूटी पर तैनात राजिन्द्र सिंह की नाक पर जोर से लगा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुलिसकर्मी की नाक से खून बहने लगा और वह चोटिल हो गए। घायल पुलिसकर्मी को तुरंत उपचार के लिए सिविल अस्पताल ददाहु ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल करवाया गया। पुलिस का कहना है कि यह हादसा मोटरसाइकिल चालक द्वारा वाहन को तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाने के साथ-साथ पुलिस के इशारे को जानबूझकर नजरअंदाज करने की वजह से हुआ है। इस संदर्भ में पुलिस थाना रेणुका जी में आरोपी चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज कर लिया गया है।

अनुराग ठाकुर के साथ पीएसी कमेटी के सांसदों ने निहारा एचपीसीए स्टेडियम

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

धर्मशाला पंहुचे लोक लेखा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को दूसरे दिन दुनिया के सबसे खूबसूरत स्टेडियमों में से एक धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम को निहारा। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को लोक लेखा समिति (पीएसी) के प्रतिनिधिमंडल को विश्व के सबसे खूबसूरत स्टेडियमों में से एक धर्मशाला के एचपीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का भ्रमण कराया।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वरिष्ठ कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने किया। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद सीएम रमेश, कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल, अमर सिंह और जनसेना सांसद वी. बालाशोरी शामिल थे। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को स्टेडियम की विस्तृत जानकारी दी गई, जिसमें अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में खेल ढांचा, पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में स्टेडियम की भूमिका पर प्रकाश डाला। यह दौरा भारतीय क्रिकेट में उत्कृष्टता का प्रतीक बन चुके इस स्टेडियम को प्रदर्शित करने और राज्य की प्रगति में इसके योगदान को दिखाने में सहायक रहा। एचपीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के विकास के बाद धर्मशाला और आसपास के क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल मैचों ने घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की निरंतर आमद बढ़ाई है, जिससे स्थानीय पर्यटन को बहुत बढ़ावा मिला है और क्षेत्र में पर्याप्त राजस्व उत्पन्न हो रहा है। स्टेडियम ने होटल, रेस्तरां, टैक्सी ऑपरेटर्स, टूर एंड ट्रैवल एजेंसियों, स्थानीय कारीगरों और छोटे विक्रेताओं सहित अनेक सहायक व्यवसायों को सीधा लाभ पहुंचाया है। इससे कांगड़ा घाटी में हजारों परिवारों को रोजगार के अवसर बढ़े हैं, होटलों में अधिकतम ऑक्यूपेंसी दरें बढ़ी हैं और समग्र आर्थिक उन्नति हुई है।

संक्षिप्त-समाचार

कांगड़ा पुलिस ने पकड़ी 4 किलो से अधिक चरस की बड़ी खेप, कुल्लू के दो तस्कर गिरफ्तार

धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ जारी विशेष अभियान के अन्तर्गत एक और बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। जिला कांगड़ा पुलिस की विशेष टीम ने गश्त के दौरान कुल्लू जिला के दो तस्करों के कब्जे से 4 किलो 40 ग्राम चरस की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ पुलिस थाना पंचरुखी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि पुलिस थाना पंचरुखी की टीम जब गश्त पर थी तो गुप्त सूचना के आधार पर आल्टो के-10 कार नम्बर एचपी01एए-0965 में चरस की खेप लाई जा रही है। कार में सवार गोपाल पुत्र राजेन्द्र कुमार, निवासी गांव खून्न, तहसील आनी, जिला कुल्लू, उम्र 24 वर्ष तथा सुरेन्द्र कुमार पुत्र स्व. धनी राम, निवासी गांव डगूट, डाकघर जौऊ, तहसील आनी, जिला कुल्लू, उम्र 37 वर्ष को तलाशी के लिए रोका गया तो उनके कब्जे से 4 किलो 40 ग्राम चरस बरामद हुई। जिस पर उपरोक्त दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया तथा इसके विरुद्ध पुलिस थाना पंचरूखी में मामला दर्ज किया गया है। उक्त आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही नियमानुसार प्रगति पर है।

कठुआ में 30 लाख की लागत से नहर विकास कार्य का शुभारंभ, लोगों को मिलेगा सुरक्षित व बेहतर मार्ग

कठुआ। कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने मंगलवार को कठुआ में जिला रोजगार कार्यालय के समीप कठुआ नहर के दाहिने किनारे पर 30 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे विकास कार्य का उद्घाटन किया। यह परियोजना विधायक निधि के तहत पूरी की गई है जिसका कार्यान्वयन सिंचाई विभाग, कठुआ द्वारा किया गया।इस अवसर पर बोलते हुए विधायक डॉ. भारत भूषण ने कहा कि यह परियोजना जनसुरक्षा और सुगम आवागमन को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नहर किनारे ऊंचा तटबंध और नई रेलिंग लगाने से दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी, साथ ही क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि इस विकास कार्य से खास तौर पर लोअर शिवा नगर के निवासियों और सुबह सैर करने वालों को बड़ा लाभ मिलेगा। अब नहर किनारे सुरक्षित और सुविधाजनक रास्ता उपलब्ध होगा जिससे लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में भी मदद मिलेगी। बुजुर्गों और बच्चों के लिए रेलिंग सुरक्षा का अतिरिक्त साधन साबित होगी।विधायक ने समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि ऐसे कार्यों का उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचा मजबूत करना ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग के जीवन स्तर को बेहतर बनाना भी है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक संजय सहगल, सिटी मंडल अध्यक्ष राहुल देव शर्मा, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सुषमा महाजन, रविंदर पठानिया, रिकी रिसम, सबरस साहित्य संगम के अध्यक्ष टी.आर. सुंब्रिया, एक्सईएन सिंचाई विभाग इंजीनियर योगेश शर्मा, युवा नेता अमित सूदन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने इस पहल के लिए विधायक का आभार व्यक्त करते हुए विकास कार्यों की इसी गति को आगे भी जारी रखने की उम्मीद जताई।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पीएसए के तहत कुख्यात अपराधी को हिरासत में लिया गया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार को एक कुख्यात अपराधी को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया।पुलिस ने मेंढर तहसील के सलवाह निवासी हाकिम दीन के बेटे मोहम्मद यूसुफ को हिरासत में लिया। उसका एक लंबा आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ मेंढर पुलिस स्टेशन में छह एफआईआर दर्ज हैं। पुलिस ने कहा कि बार-बार कानूनी कार्रवाई के बावजूद वह मेंढर और आसपास के इलाकों में शांति और सार्वजनिक व्यवस्था को परेशान करते हुए गैरकानूनी और असामाजिक गतिविधियों में शामिल रहा। पुलिस ने आपराधिक कृत्यों में लगातार संलिप्तता और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरे को देखते हुए एक डोजियर तैयार करके सक्षम प्राधिकारी को सौंपा।पुलिस ने बताया कि उसे जिला जेल राजौरी में रखा गया है। पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रयासों के तहत की गई है। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जनगणना-2027: फील्ड ट्रेनर्स के दूसरे चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

मंडी। जनगणना-2027 की तैयारियों के तहत फील्ड ट्रेनर्स के दूसरे चरण का प्रशिक्षण डीआरडीए हॉल के सम्मेलन कक्ष में शुरू हो गया है। प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने किया। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण में 32 स्कूल प्रवक्ताओं को, जिन्हें फील्ड ट्रेनर के रूप में नियुक्त किया गया है, तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इससे पहले पहले चरण में भी 32 प्रवक्ताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके आधार पर भविष्य की योजनाएं और नीतियां निर्धारित होती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से इस जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि वे आगे तहसील स्तर पर भी प्रभावी प्रशिक्षण सुनिश्चित करें, ताकि जनगणना का कार्य सटीक एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। यह प्रशिक्षण संयुक्त निदेशक सह नेशनल ट्रेनर, जनगणना कार्य निदेशालय हिमाचल प्रदेश, शिमला आशीष चौहान के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर सुशीला और लतेश्वरी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर आगे मंडी जिले के सभी 41 चार्ज ग्रामीण एवं शहरी में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे।

महिला की मौत पर मजिस्ट्रियल जांच के आदेश, एक हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले के रोहड़ू क्षेत्र में धार्मिक समारोह के दौरान हुई फायरिंग में महिला की मौत के मामले में अब जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए हैं। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने इस घटना की विस्तृत जांच के लिए निर्देश जारी किए हैं और कहा है कि जांच रिपोर्ट सात दिनों के भीतर सौंपनी होगी।

जिला प्रशासन के अनुसार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 196 के तहत यह जांच करवाई जा रही है। इसके लिए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था) पंकज शर्मा को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि जांच निष्पक्ष, विस्तृत और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए। प्रशासन ने कहा है कि जांच के दौरान घटना तक पहुंचने वाली पूरी घटनाक्रम की कड़ी को समझा जाएगा, मृतका की मौत के कारणों की पुष्टि की जाएगी और इसमें शामिल लोगों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही आयोजनकर्ताओं की भूमिका, किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक, और आर्म्स एक्ट 1959 के उल्लंघन की संभावना की भी जांच होगी। जांच अधिकारी को आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई के लिए सिफारिश करने के निर्देश भी दिए गए हैं। दरअसल, यह मामला रोहड़ू उपमंडल के चिड़गांव क्षेत्र के कुलगांव गांव से जुड़ा है, जहां रविवार देर रात देव प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान हवाई फायरिंग की घटना हुई थी। जश्न के बीच चली गोली 26 वर्षीय रितिका निवासी आंध्रा रोहड़ू को जा लगी, जिससे उनकी मौत हो गई। वह समारोह में शामिल होने आई थीं। उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल रोहड़ू ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी जान नहीं बचाई जा सकी इस घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों रजत सोहटा (28) और अमित उर्फ रोहित भापटा (32) निवासी रोहड़ू को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल हथियार भी बरामद करने की बात कही है और मामले की जांच जारी है। घटना के बाद प्रशासन ने धार्मिक आयोजनों में हथियारों के इस्तेमाल को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। उपायुक्त ने आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

आम लोगों को दबाने के लिए राजनीतिक सत्ता का हो रहा दुरुपयोग : महराज मलिक

जम्मू। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय से लोक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत रद्द किए जाने के एक दिन बाद डोडा पूर्व के विधायक महराज दीन मलिक ने मंगलवार को आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर मानवता का संहार हो रहा है। आम लोगों को दबाने के लिए राजनीतिक सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। विधायक मलिक ने आठ महीने जेल में बिताने के बाद कहा कि कारावास के बावजूद उनकी सोच में कोई बदलाव नहीं आया है। विधायक ने सरकार के नशामुक्ति अभियान को एक गहरे संकट का मुखौटा बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने दावा किया कि जेल में अपने आठ महीनों के दौरान जम्मू-कश्मीर के स्कूलों, छात्रावासों या विधानसभाओं में कोई सुधार नजर नहीं आया। यह कहते हुए कि उनके विचारों को कैद नहीं किया जा सकता। मलिक ने कहा कि वे भूल गए हैं कि वे महाराज के विचारों को कैद नहीं कर सकते क्योंकि यही मानवता की मांग है। विधायक ने युवाओं से राजनीति से दूर न रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजनीति के बिना हमारा भविष्य बेहतर नहीं हो सकता। दुनिया के बड़े-बड़े युद्धों को देखिए। ट्रंप का एक ट्वीट आता है और युद्ध समाप्त हो जाता है।

नगरपालिका परिषद नाहन चुनाव हेतु एक दिवसीय पूर्वाभ्यास प्रशिक्षण शिविर आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

नगर पालिका परिषद नाहन में 17 मई को प्रस्तावित चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित संपन्न करवाने के लिए जिला पंचायत संसाधन केंद्र नाहन में रिटर्निंग अधिकारी एमसी एवं उपमंडलाधिकारी नाहन राजीव सांख्यान की अध्यक्षता में एक दिवसीय पूर्वाभ्यास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान एसडीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पूर्वाभ्यास प्रशिक्षण शिविर में 158 अधिकारी व कर्मचारी भाग ले रहे है जिनमें 37 पीठासीन अधिकारी, 37 सहायक पीठासीन अधिकारी तथा 84 पोलिंग अधिकारी शामिल है। उन्होंने कहा कि चुनाव संबंधित कार्य बहुत महत्वपूर्ण कार्य है इसका निर्वाहन सभी को पूरी मेहनत एवं इमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पोलिंग बूथ में कार्यरत प्रत्येक चुनावी कर्मचारी का दायित्व है कि वह वोट डालने वाले प्रत्येक व्यक्ति की वोट की गोपनीयता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चुनावी कर्मचारी अपने पोलिंग बूथ पर तय समय पर पहुंच कर वोटिंग से पूर्व के सभी आवश्यक कार्य करना सुनिश्चित करें ताकि चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पडे। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं, शिशुवती महिलाओं तथा दिव्यांग जनों और वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता से मतदान करवाएं।

पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं और रोबोटिक सर्जरी पर सरकार पर बरसे जय राम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर ने राज्य सरकार पर एचआरटीसी (हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम) के पेंशनरों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह समाप्त होने को है, लेकिन अभी तक पेंशनरों को उनकी पेंशन नहीं मिल पाई है, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पेंशनरों को हर महीने की 15 तारीख तक पेंशन देने की बात तय की गई थी, लेकिन यह व्यवस्था कभी लागू नहीं हो पाई। पेंशनर लगातार अधिकारियों और सरकार से संपर्क कर रहे हैं, मगर उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि बिना पेंशन के पेंशनरों का जीवनयापन कैसे संभव है, खासकर जब शादी-विवाह का सीजन चल रहा हो और आर्थिक जरूरतें बढ़ जाती हैं। जय राम ठाकुर ने मंगलवार को एक बयान में आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष के सवालों का जवाब देने के बजाय भ्रामक आंकड़े पेश कर रही है और ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि एचआरटीसी पेंशनरों के मेडिकल बिलों का भुगतान भी पिछले तीन वर्षों से लंबित है, जिसके चलते कई लोग अपनी जमा पूंजी खर्च करने या उधार लेकर इलाज कराने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरा। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि कमला नेहरू अस्पताल से गायनी विभाग को आईजीएमसी शिफ्ट करना बिना उचित योजना और जरूरत के लिया गया निर्णय है। इस फैसले से महिलाओं को भारी असुविधा हो रही है और कई मामलों में मरीजों की स्थिति भी गंभीर हुई है।

मौसम हिमाचल में 4 मई तक अलर्ट जारी: ओलावृष्टि और अंधड़ की चेतावनी

तेज हवाओं और बारिश के कारण गर्मी से मिली राहत

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भीषण गर्मी से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण राज्य के कई हिस्सों में बादल छा गए हैं और हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। शिमला सहित कई इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। सुबह से ही आसमान में घने बादल बने रहे और कई जगहों पर बूंदाबांदी देखने को मिली। शिमला, मनाली, हमीरपुर और ऊना में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के मैदानी और निचले क्षेत्रों में गर्मी अपने चरम पर थी। ऊना में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे लू जैसे हालात बन गए थे। लोगों को राहत के लिए बारिश का इंतजार था, जो अब पूरा होता नजर आ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी प्रदेश में मौसम ऐसा ही बना रहेगा और तापमान में और गिरावट संभव है। मौसम विभाग ने आज के लिए आंधी, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं का येलो अलर्ट जारी किया है। 29 अप्रैल को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में ओरेंज अलर्ट रहेगा, जहां 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। वहीं ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, सोलन और सिरमौर जिलों में येलो अलर्ट जारी रहेगा। 30 अप्रैल और एक मई को भी कई इलाकों में येलो अलर्ट रहेगा। इसके बाद 2 मई को कुछ राहत रहेगी, लेकिन 3 और 4 मई को फिर से आंधी और बारिश की संभावना के चलते येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस तरह पूरे सप्ताह प्रदेश में मौसम सक्रिय रहने का अनुमान है।

जम्मू और कश्मीर में आमतौर पर बादल छाए रहने गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना

श्रीनगर। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले कई दिनों तक जम्मू और कश्मीर में आमतौर पर बादल छाए रहने, रुक-रुक कर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। साथ ही तेज हवाएं चलने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना भी है। नवीनतम पूवार्नुमान के अनुसार 28 और 29 अप्रैल को मौसम मुख्य रूप से बादल छाए रहने वाला रहेगा और कई स्थानों पर, विशेष रूप से दोपहर और शाम के समय हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवाएं और ओलावृष्टि भी हो सकती है। 30 अप्रैल को मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला रहेगा और दोपहर बाद कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग ने 1 और 2 मई को आमतौर पर शुष्क मौसम रहने का अनुमान लगाया है, हालांकि दोपहर में हल्की बारिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। 3 से 5 मई के बीच फिर से बादल छाए रहने की संभावना है और मुख्य रूप से दोपहर और शाम के समय छिटपुट से कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इसके बाद 6 से 9 मई तक मौसम अधिकतर शुष्क रहने की संभावना है, केवल छिटपुट हल्की बारिश हो सकती है। बारिश और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसलों को किसी भी संभावित नुकसान से बचाने के लिए 28 और 29 अप्रैल को खेती का काम रोक दें।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

राजकीय शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने की है पहल, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में स्टार्टअप और उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा: महीपाल ढांडा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में संचालित बुनियाद एवं हरियाणा सुपर-100 जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं ने उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। इन्हीं सफल मॉडलों के आधार पर अब कॉलेजों एवं यूनिवर्सिटीज में भी इसी प्रकार की योजनाएं लागू की जाएं, ताकि अधिक से अधिक युवा स्टार्टअप संस्कृति से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें और रोजगार सृजन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

मंत्री आज पंचकूला में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद की 5वीं बैठक में बतौर मुख्य अतिथि अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के दौरान हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा वाधवानी फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जो उद्यमिता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने परिषद के न्यूजलेटर के प्रथम संस्करण, विजन मिशन डॉक्युमेंट 2047 एवं वर्कशॉप की संक्षिप्त जानकारी पर आधारित पुस्तक का भी विधिवत विमोचन किया।

मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश स्तर पर एक व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक जिले में निर्धारित कार्यक्रमों के माध्यम से सुबह के समय राजकीय माध्यमिक विद्यालयों तथा दोपहर के समय राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में शिक्षकों को इस नीति के विभिन्न आयामों से अवगत कराया जाएगा। इस अभियान में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षक भी समय-समय पर 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों से परिचित कराएं, ताकि वे उच्च शिक्षा के नवीन अवसरों और संभावनाओं को समझते हुए अपने भविष्य की दिशा तय कर सकें।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को रोजगारपरक कौशल एवं उद्यमिता की ओर प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण होनी चाहिए। इसके लिए नियमित अंतराल पर वर्कशॉप्स एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों में समयानुकूल बदलाव किए जाएं। विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएं तथा मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया जाए।

इस अवसर पर प्रो. के.सी. शर्मा अध्यक्ष हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद ने परिषद के सदस्यों को अवगत करवाया कि परिषद द्वारा विभिन्न यूनिवर्सिटीज, एआईसीटीई, नेशनल बोर्ड ऑफ अक्रेडेटेशन (एनबीए) उच्चतर शिक्षा विभाग के साथ समन्वय करके अनेक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की दिशा में छात्र केंद्रित प्रावधानों को छात्रों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न विषयों पर पोस्टर तैयार करके छात्रों के निजी ईमेल पर भेजने के साथ साथ सभी यूनिवर्सिटीज के माध्यम से छात्रों तक पहुंचाया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम में प्रभावी रूप से शामिल करने बारे कदम उठाए जा रहे हैं, स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टिट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा मूल्यांकन एवं सत्यापन (एनईईवी) पोर्टल आरंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन में सुधार हेतु प्रदर्शन-आधारित बजटिंग का प्रस्ताव भी सरकार को प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण के सुदृढ़ीकरण हेतु एनआईटीटीआर चंडीगढ़ के विस्तार केंद्र की स्थापना के लिए समिति का गठन किया गया है।

बैठक में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के वाइस चेयरपर्सन प्रो. एसके गक्खड़, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रो. आरएस राठौड़ व विभिन्न यूनिवर्सिटी के कुलपति व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा में जल संकट गहराया, सरकार तुरंत सुनिश्चित करे नियमित पेयजल आपूर्ति पानी व बिजली संकट से जनता परेशानः कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सीब्ल्यूसी की सदस्य एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में गर्मी की शुरूआत के साथ ही पेयजल संकट ने गंभीर रूप ले लिया है। प्रदेश के अनेक जिलों, विशेषकर सिरसा के ऐलनाबाद क्षेत्र सहित विभिन्न हिस्सों में पानी की भारी कमी देखी जा रही है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि कई स्थानों पर पानी की राशनिंग तक लागू करनी पड़ रही है और लोगों को टैंकरों के माध्यम से पानी मंगवाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बिजली संकट कोढ़ में खाज सा काम कर रही है।

सांसद सैलजा ने कहा कि जो हरियाणा अपने आप को विकसित राज्य बताता है, वहां आज गांवों और शहरों की पंचायतों की सबसे बड़ी मांग पेयजल टैंकर बन चुकी है। यह स्थिति सरकार की जल प्रबंधन व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि अपने सांसद कोटे से उन्होंने दर्जनों गांवों में पानी के टैंकर उपलब्ध करवाए हैं, लेकिन इसके बावजूद पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि वह तुरंत प्रभाव से पेयजल आपूर्ति को नियमित और सुचारू बनाने के लिए ठोस कदम उठाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

सैलजा ने प्रदेश में बढ़ते बिजली संकट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अभी से लंबे-लंबे बिजली कट लग रहे हैं, जिससे भीषण गर्मी में आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी और बिजली दोनों संकट मिलकर जनजीवन को प्रभावित कर रहे हैं। सांसद सैलजा ने कहा कि पेयजल और बिजली आपूर्ति को लेकर सरकार जरा भी गंभीर नहीं है। सिरसा के ऐलनाबाद और नाथूसरी चोपटा क्षेत्र के लोग राजस्थान से पेयजल जाकर गुजारा कर रहे है तो कुछ गांवों के लोगों को अभी से खरीदकर पानी लेकर आना पड़ रहा है। यमुना में जहां 8000 क्यूसेक पानी की जरूरत है वहां 1500 क्यूसेक मिल रहा है। राज्य में 38 बीसीएम (बिलियन क्यूसेक मीटर) की जरूरत पर नहरी और बरसाती पानी से ही 20 बीसीएम ही उपलब्ध है शेष 18 बीसीएम पानी की कमी भू जल के दोहन से होती है।

सांसद ने कहा कि हरियाणा सरकार को पंजाब पर अपने हिस्से के पानी के लिए दबाव बनाना चाहिए, हरियाणा को रावी-ब्यास नदी से 3.5 एमएएफ (मिलियन एकड़ फुट) पानी मिलना चाहिए पर मिल 1.88 एमएएफ ही रहा है। इस बार भीषण गर्मी की संभावना जताई जा रही है ऐसे में सरकार अभी से पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें और बिजली आपूर्ति में सुधार करें, इसके साथ ही पशुओं के लिए जोहड़ों में पर्याप्त पानी भरा जाए। सांसद ने सरकार से अपील की कि वह इन बुनियादी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल समाधान सुनिश्चित करे, ताकि प्रदेशवासियों को इस कठिन परिस्थिति से राहत मिल सके।

प्रेस क्लब कुरुक्षेत्र का दल दो दिवसीय यात्रा के लिए अमृतसर रवाना

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

प्रेस क्लब कुरुक्षेत्र का एक दल दो दिवसीय भ्रमण पर श्री दरबार साहिब अमृतसर के लिए रवाना हुए। यात्रा की बस को एसजीपीसी के सदस्य सरदार हरभजन सिंह मसाना ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एसजीपीसी के पूर्व सचिव परमजीत सिंह उपस्थित थे। प्रेस क्लब कुरुक्षेत्र के प्रधान रामपाल शर्मा के नेतृत्व में यात्रा पर गया यह दल श्री फतेहगढ साहिब, श्री स्वर्ण मंदिर, बाघा बार्डर, जलियांवाला बाग, दुर्गयाना मंदिर सहित अनेक ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का अवलाकन करेगा तथा दो दिन की यात्रा के पश्वात 29 अप्रैल कोसांयकाल वापिस कुरुक्षेत्र लौटेगा। यात्रा के संयोजक अशोक यादव ने बताया कि धार्मिक यात्रा का आयोजन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर के सौजन्य से किया गया। प्रेस क्लब अपने सदस्यों के लिए समय समय पर इस प्रकार की यात्राएं आयोजित करता रहता है। हरभजन सिंह मसाना ने कहा कि पत्रकारों को इस प्रकार की धार्मिक यात्राएं करवाकर प्रेस क्लब कुरुक्षेत्र बड़ा ही सराहनीय कार्य कर रहा है। धार्मिक यात्राओं के आयोजन से जहां आपसी प्यार व भाईचारा बढता है, वहीं अपने इतिहास की जानकारी भी मिलती है। प्रेस क्लब कुरुक्षेत्र की ओर से हरभजन सिंह मसाना व परमजीत सिंह को सिरोपा व स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। दो दिवसीय यात्रा में जाने प्रेस क्लब कुरुक्षेत्र के सदस्य जयनारायण शर्मा, राजिंद्र वर्मा, देवीलाल बारना, सोहन लाल सैनी, डा. राजेश वधवा, नवोदित, सुनील धीमान, मुनीश मुंडे, दिलबाग सिंह, नरेश वधवा, जसपाल जस्सी, संजीव बंसल, अभिषेक पूर्णिमा, संजय वर्मा, जसबीर भट्ट, धर्मबीर, जरनैल रंगा, रविन्द्र कुमार, शमशेर सिंह, प्रजन्य गौड़, नीतू चौहान, अंग्रेज सिंह, विनोद गर्ग, भगवान दास, सुरजीत सिंह, सुशील, आरव वधवा, किरण वर्मा, सचिन सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

रंगिया मंडी से जीटी रोड तक नई सड़क के लिए रेलवे से भूमि लीज पर लेने की राज्य सरकार से मिली मंजूरी : अनिल विज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आईडीटीआर और एटीएस स्थापित करने के लिए भूमि नगर परिषद से परिवहन विभाग को स्थानांरित करने की भी मिली मंजूरी

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला कैंट के रंगिया मंडी से जीटी रोड तक प्रस्तावित नई सड़क बनाने हेतु रेलवे से भूमि लीज पर लेने की मंजूरी राज्य सरकार द्वारा प्रदान कर दी गई है और जल्द ही यहां सड़क बनाने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसी प्रकार, अम्बाला छावनी के शाहपुर में ह्यह्यड्राइविंग ट्रेनिंग एवं रिसर्च संस्थान (आईडीटीआर) और ह्यह्यआटोमेटेड व्हीकल टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) स्थापित करने के लिए भूमि नगर परिषद से परिवहन विभाग को स्थानांरित करने की मंजूरी भी राज्य सरकार से मिल चुकी है। श्री विज ने कहा कि दोनों कार्यों के लिए मंजूरी मिलने से अब सड़क निर्माण और ह्यह्यड्राइविंग ट्रेनिंग एवं रिसर्च संस्थान (आईडीटीआर) और ह्यह्यआटोमेटेड व्हीकल टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) की स्थापना जल्द कराने पर कार्य किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला कैंट के रंगिया मंडी से जीटी रोड तक नई रोड को बनाया जा रहा है। नई रोड के बनने से छावनी के मुख्य सदर बाजार व महेशनगर क्षेत्र से जीटी रोड को नई कनेक्टिविटी मिलेगी जिसका वाहन चालकों को लाभ मिलेगा। तैयार योजना के अनुसार नई रोड रंगिया मंडी ओवरब्रिज से जीटी रोड तक लगभग साढ़े 500 मीटर लंबी होगी जबकि यह 10 मीटर चौड़ी होगी। रोड डेडिकेटिड रेलवे फ्रेट कॉरिडोर के साथ-साथ जीटी रोड तक बनाई जाएगी। यह रोड आने वाले समय में लोगों के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगी। अब तक लोगों को जीटी रोड पर आने के लिए स्टाफ रोड से जीटी रोड की ओर जाना पड़ता है, मगर अब शहर के बीचों बीच से जीटी रोड जाने के लिए नया रास्ता लोगों के लिए उपलब्ध होगा। परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी के शाहपुर में ह्यह्यड्राइविंग ट्रेनिंग एवं रिसर्च संस्थान (आईडीटीआर) और ह्यह्यआटोमेटेड व्हीकल टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) स्थापित करने के लिए भूमि नगर परिषद से परिवहन विभाग स्थानांरित करने की मंजूरी राज्य सरकार से मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि लगभग 13 एकड़ में यह संस्थान स्थापित होगा जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा 11.49 करोड़ की राशि पूर्व में ही स्वीकृत कर दी गई थी। इस संस्थान की स्थापना से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सैकड़ों लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा हजारों प्रशिक्षित युवाओं को और अधिक हुनरमंद बनाने अर्थात अधिक कौशलयुक्त तैयार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, आटोमेटेड व्हीकल टेस्टिंग स्टेशन की स्थापना से प्रति सप्ताह लगभग 300 वाहनों की फिटनेस की जांच की जाएगी।

संक्षिप्त-समाचार

जनगणना महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कायः प्राचार्य व शिक्षक करें स्व-गणना तथा विद्यार्थियों को भी करें प्रेरितःविनोद कौशिक

कुरुक्षेत्र। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु जिले के सभी विद्यालय प्राचार्यो को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। यह जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें शिक्षा विभाग की भूमिका अत्यंत अहम है। सभी विद्यालय प्राचार्य यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिक्षक, विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करें। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने निर्देशित किया कि विद्यालय स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएं। प्राचार्य अपने स्टाफ के माध्यम से विद्यार्थियों को स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया समझाएं तथा उन्हें प्रेरित करें कि वे अपने घरों में अभिभावकों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक पहले स्वयं स्व-गणना पूर्ण करें, ताकि वे विद्यार्थियों को सही एवं प्रभावी मार्गदर्शन दे सकें। विद्यालयों में प्रार्थना सभा, कक्षा गतिविधियों एवं अभिभावक बैठकों के माध्यम से इस विषय को प्रमुखता से उठाया जाए। विनोद कौशिक ने बताया कि स्व-गणना एक सरल, सुरक्षित एवं समय बचाने वाली ऑनलाइन प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इससे जनगणना कार्य अधिक पारदर्शी, स्टीक एवं सुगम बनेगा। सभी विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि जनगणना-2027 को सफल बनाया जा सके।

प्रो. संजीव शर्मा पांडुलिपि सर्वेक्षण के नोडल अधिकारी नियुक्त

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. संजीव शर्मा, तत्काल प्रभाव से ह्लज्ञान भारतम् मिशनह्व के अंतर्गत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु क्षेत्रीय रिपॉजिटरी का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। प्रो. संजीव शर्मा ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपने के लिए कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ करेंगे तथा पांडुलिपि सर्वेक्षण से संबंधित कार्यों को समयबद्ध और प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाएंगे।

न्याय को सरल, सुलभ व आमजन के निकट लाने के उद्देश्य से किया जाएगा समाधान समारोह का आयोजनः नीतिका भारद्वाज

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्याय को सरल, सुलभ एवं आमजन के निकट लाने के उद्देश्य से वर्ष 2026 में समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) का आयोजन किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण अभियान अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 कोआयोजित विशेष लोक अदालत के साथ संपन्न होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस विशेष लोक अदालत का आयोजन न्यायालय परिसर में किया जाएगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का निपटारा आपसी सहमति, सुलह एवं संवाद के माध्यम से किया जाएगा। यह पहल पारंपरिक न्यायिक प्रक्रिया के स्थान पर एक सहयोगात्मक एवं सहभागी न्याय प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिसे आम भाषा में जनता की अदालत भी कहा जाता है। इस आयोजन से पूर्व राज्य, जिला एवं तालुका स्तर पर स्थापित मध्यस्थता केंद्रों में सुलह एवं मध्यस्थता बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जहां पक्षकारों को आपसी समझौते के लिए प्रेरित किया जाएगा।

फसल खरीद व किसानों को एमएसपी देने के मामले में कांग्रेस से फिसड्डी बीजेपीः हुड्डा

सिटी दर्पण संवाददाता
इंद्री (करनाल)

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आंकड़ों के साथ बीजेपी को आईना दिखाया है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि 2013 में कांग्रेस सरकार ने 87 लाख मैट्रिक टन से ज्यादा की गेहूं की खरीद करी थी। लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, सरकारी खरीद का आंकड़ा लगातार घटता गया। इस बार भी सरकार ने मात्र 72 लाख मैट्रिक टन खरीद का ही टारगेट रखा है, यानी कांग्रेस के मुकाबले 15 लाख मिट्रिक टन कम। इससे स्पष्ट है कि फसलों की खरीद व किसानों को एमएसपी देने के मामले में बीजेपी कांग्रेस के सामने कहीं नहीं ठहरती। हुड्डा ने बताया कि सिर्फ खरीद ही नहीं, पेमेंट में भी सरकार देरी कर रही है। अबतक मात्र 36 प्रतिशत खरीद की ही पेमेंट हुई है। सुचारू रूप से खरीद करने की बजाए किसानों पर नई-नई शर्तें थोपी जा रही हैं। सरकार ने किसानों पर पहले पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, फिर गेट पास, उसके बाद बायो-मेट्रिक, ट्रेक्टर नंबर, वेरिफिकेशन और गारंटर जैसी अनगिनत शर्तें थोपी हैं। कांग्रेस मांग कर रही है कि बीजेपी अन्नदाता को अपमानित करना बंद करे और सुचारू रुप से खरिद व समय पर पेमेंट करे। कांग्रेस विधायक दल ने राज्यपाल से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा है। क्योंकि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही पास हो चुका था, जो कानून बन चुका है। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल 20 सितंबर 2023 को 454 वोटों से पास हुआ था। भाजपा अगर महिला हितैषी होती तो 2023 में ही इसे लागू कर देती। लेकिन उसने डिलिमिटेशन को जोड़कर बिल को उलझाने की कोशिश की। अब हरियाणा विधानसभा का सत्र बुलाना और इस मुद्दे पर चर्चा करना पूरी तरह गैर-संवैधानिक है। साथ ही कांग्रेस ने राज्यपाल के सामने कांग्रेस विधायकों को राजनीतिक द्वेष के चलते परेशान करने का मुद्दा भी उठाया है।

राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर हमारी जनगणनाःअनुभव मेहता

सिटी दर्पण संवाददाता
लाडवा

30 अप्रैल तक पोर्टल एसई.सेंसस.जीओवी.आईएन पर दर्ज करें स्व गणना

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि देश की प्रगति का आधार है। दुनिया के इस सबसे बड़े जनगणना अभियान में आमजन की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए सरकार ने इस बार नागरिकों को सेल्फ एन्यूमरेशन यानी स्व गणना की सुविधा दी है, जिसके लिए आगामी 30 अप्रैल तक आधिकारिक पोर्टल खुला रहेगा। कोई भी नागरिक पोर्टल एसई.सेंसस.जीओवी.आईएन पर स्व जनगणना कर सकता है। उन्होंने कहा कि भरोसा भी, भागीदारी भी के मंत्र के साथ हम सभी को देश के विकास में अपना सहयोग देना चाहिए। नागरिकों द्वारा दी गई सही जानकारी ही भविष्य की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी।

एसडीएम अनुभव मेहता ने सरपंचों व ग्राम सचिवों को आश्वस्त किया कि उनकी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत आंकड़ों की गोपनीयता की कानूनी गारंटी दी गई है। यह डेटा सुरक्षित सर्वर पर एनक्रिप्टेड रूप में संग्रहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस डेटा का उपयोग किसी भी प्रकार की जांच, टैक्स या पुलिस कार्रवाई के लिए नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट में केवल संकलित आंकड़े ही प्रकाशित किए जाते हैं और किसी व्यक्ति का नाम या पता किसी को नहीं दिया जाता।

उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत फिलहाल मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है। डिजिटल माध्यम का उपयोग करते हुए कोई भी नागरिक अपने परिवार का विवरण खुद भी भर सकता है। इससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि आंकड़ों की सटीकता भी सुनिश्चित होगी। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए सरकार द्वारा टोल-फ्री नंबर 1855 भी जारी किया गया है। एसडीएम अनुभव मेहता ने अपील की है कि जनगणना के लिए आने वाले कर्मचारियों को सही जानकारी दें और निडर होकर इस प्रक्रिया का हिस्सा बनें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना की जिम्मेदारी केवल सरकारी कर्मचारियों की ही नहीं बल्कि हर प्रबुद्ध नागरिक की भी है।

सजग विद्यार्थी और गीता विषय पर मासिक परिचर्चा आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

श्रीमद्भगवद्गीता-अद्वितीयम् अद्भुतम बौद्धिक मासिक परिचर्चा का आयोजन गुलजारी लाल नन्दा केन्द्र, कुरुक्षेत्र में किया गया। वैशाख शुक्ल एकादशी के अवसर पर विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड एवं गुलजारी लाल नन्दा केन्द्र, कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में ह्यह्यसजग विद्यार्थी और गीता विषय पर आयोजित विचार-विमर्श सकारात्मकता के साथ सम्पन्न हुआ। परिचर्चा का शुभारंभ विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान की अध्यक्षा डॉ. ममता सचदेवा एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। गुलजारीलाल नन्दा केन्द्र, कुरुक्षेत्र की निदेशक प्रो. शुचिस्मिता ने प्रबुद्धसभा का स्वागत किया व परिचर्चा की प्रस्तावना प्रस्तुत की। परिचर्चा प्रणेता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला में संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक, डॉ. चित्तरंजन दयाल सिंह कौशल ने अत्यन्त महत्वपूर्ण विचार साझा किए और चिन्ताजनक अवस्था से बाहर निकलने के सुझाव भी दिए। कार्यक्रम में श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुरुक्षेत्र के निदेशक अनिल कुलश्रेष्ठ ने परिचर्चा प्रणेता डॉ. कौशल का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया एवं उनका सम्मान किया गया। विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के प्रकाशन संयोजक श्री बलबीर ने अपने विचार श्रीगीताजी के श्लोक से आरम्भ किए एवं समापन श्रीगीताजी श्लोक व शान्ति मंत्र के साथ किया। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र के प्रबन्धक सुधीर कुमार ने मंच का गरिमायुक्त संचालन करते हुए कहा कि यूरोप के अध्यापक मस्तिष्क का विकास कर सकते हैं परन्तु भारत के आचार्य मस्तिष्क के साथ-साथ हृदय का विकास भी करते हैं।

हरियाणा ने बढ़ते तापमान को देखते हुए हेल्थ एडवाइजरी की जारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने मौजूदा एवं अनुमानित भीषण गर्मी को देखते हुए विस्तृत सार्वजनिक स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। इसका उद्देश्य आमजन को गर्मी से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखना तथा सभी स्तरों पर प्रभावी तैयारियां सुनिश्चित करना है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि सामान्य से अधिक तापमान की संभावना को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और हीट-हेल्थ एक्शन प्लान को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार का मुख्य फोकस तैयारी को सुदृढ़ करने, समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने तथा अत्यधिक गर्मी से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने पर है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली के माध्यम से हीट से संबंधित बीमारियों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग अनिवार्य कर दी गई है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों को समयबद्ध एवं सटीक डेटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी हीट वेव अलर्ट नियमित रूप से स्वास्थ्य संस्थानों एवं आम जनता तक पहुंचाए जाएंगे, जिससे अग्रिम तैयारी बेहतर हो सके।

राज्य के सभी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आवश्यक दवाइयों, ओआरएस, आईवी फ्लूड, आइस पैक सहित अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गंभीर मामलों के उपचार के लिए समर्पित हीटस्ट्रोक प्रबंधन इकाइयां स्थापित की जा रही हैं तथा एम्बुलेंस सेवाओं को त्वरित प्रतिक्रिया के लिए तैयार रखा गया है। पहले ठंडा करो, फिर परिवहन करो की रणनीति को अपनाया जा रहा है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को हीट से जुड़ी बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। स्वास्थ्य संस्थानों में निर्बाध बिजली आपूर्ति, स्वच्छ पेयजल, कूलिंग व्यवस्था एवं आपातकालीन तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। साथ ही, फायर सेफ्टी ऑडिट, इलेक्ट्रिकल निरीक्षण एवं मॉक ड्रिल भी नियमित रूप से कराए जा रहे हैं।

एडवाइजरी में आमजन से अपील की गई है कि वे गर्मी से बचाव के लिए सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाएं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, ओआरएस या घर पर बने पेय जैसे नींबू पानी, लस्सी एवं ताजे फलों के जूस का सेवन करें। बाहर निकलते समय हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें तथा सिर को ढककर रखें। लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचें और छायादार या हवादार स्थानों में रहें। एडवाइजरी में शराब, चाय, कॉफी एवं अधिक मीठे या कार्बोनेटेड पेय पदार्थों से परहेज करने की सलाह दी गई है, क्योंकि ये डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं। बासी एवं भारी भोजन से बचने तथा बच्चों एवं पालतू जानवरों को पार्क की गई गाड़ियों के अंदर न छोड़े, क्योंकि वहां पर तापमान बढ़ सकता है।

डॉ. मिश्रा ने विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, बाहरी कार्य करने वाले श्रमिकों तथा पहले से बीमार व्यक्तियों की अतिरिक्त देखभाल पर जोर दिया। परिवारों से अपील की गई है कि वे अकेले रहने वाले बुजुर्गों की नियमित रूप से देखभाल करें और उन्हें ठंडा एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कार्यस्थलों के लिए जारी निर्देशों में नियोक्ताओं से श्रमिकों के लिए स्वच्छ पेयजल एवं छायादार विश्राम स्थलों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। कार्य का समय सुबह या शाम के ठंडे समय में निर्धारित किया जाए तथा पर्याप्त विश्राम दिया जाए। श्रमिकों को हीट स्ट्रेस के लक्षणों की जानकारी दी जाए और ह्यबडी सिस्टम अपनाया जाए, ताकि वे एक-दूसरे की निगरानी कर सकें। इसके साथ ही काम करने वाले स्थानों पर फर्स्ट एड कर सुविधाओं और आपातकालीन रिस्पांस सिस्टम का इंतजाम भी किया जाए।

उन्होंने सरकारी एवं निजी आयोजनों के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अत्यधिक गर्मी के दौरान खुले में आयोजन से बचने तथा आवश्यक सुविधाएं जैसे पेयजल, छाया, कूलिंग व्यवस्था एवं चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे इवेंट के दौरान सार्वजनिक घोषणाएं और जागरूकता संदेश दिए जाए ताकि आने वाले लोग जानकरी रखे और सुरक्षित रहें। डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि हरियाणा सरकार जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और सक्रिय योजना, जन-जागरूकता एवं समन्वित प्रयासों के माध्यम से इस चुनौती का सामना कर रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे सतर्क रहें, जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और चक्कर आना, अत्यधिक प्यास, कमजोरी या हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

संपादकीय

महँगे ईंधन ने तोड़ी एयरलाइनों की कमर, अब सरकार के दरवाजे पर दस्तक

भारतीय विमानन उद्योग इन दिनों एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है जहाँ एक तरफ यात्रियों की बढ़ती माँग है और दूसरी तरफ आसमान छूती ईंधन लागत का भारी बोझ। देश की प्रमुख एयरलाइनों – एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट – ने मिलकर केंद्र सरकार को एक चेतावनी भरा पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि यदि शीघ्र राहत नहीं मिली तो उड़ान संचालन ठप हो सकता है। यह कोई सामान्य शिकायत नहीं है – यह एक पूरे उद्योग की आर्थिक चीख है जिसे सरकार को गंभीरता से सुनना होगा। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (FIA) ने 26 अप्रैल 2026 को नागर विमानन मंत्रालय को भेजे पत्र में स्पष्ट शब्दों में कहा कि विमानन टर्बाइन ईंधन (ATF) की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के कारण एयरलाइनें 'बंद होने या परिचालन रोकने की कगार पर' आ गई हैं। यह पत्र महज एक औपचारिक अनुरोध नहीं, बल्कि उद्योग का एसओएस संदेश है – एक ऐसी पुकार जो यदि अनसुनी रही, तो इसके परिणाम आम यात्री से लेकर अर्थव्यवस्था तक सब पर पड़ेंगे। इस संकट की शुरुआत मध्य-पूर्व में बढ़ती भू-राजनीतिक उथल-पुथल से हुई। ईरान युद्ध और उससे उपजे तनाव ने अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों को करीब 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँचा दिया है। मध्य-पूर्व का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से बंद होने से उड़ान मार्ग लंबे हो गए हैं, जिससे प्रति उड़ान ईंधन की खपत बढ़ी है। ऊपर से रुपये के मूल्य में गिरावट ने आयातित ईंधन की लागत को और बढ़ा दिया है। इन सबके मिले-जुले असर से ATF की कीमतें घरेलू परिचालन के लिए भी भारी हो गई हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए तो स्थिति और भी विकट है। आँकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति की गंभीरता और स्पष्ट होती है। जहाँ सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए ATF मूल्य वृद्धि को 15 रुपये प्रति लीटर तक सीमित किया, वहीं अंतरराष्ट्रीय परिचालन में एटीएफ की कीमत 73 रुपये प्रति लीटर तक उछल गई। यह असंतुलन एयरलाइनों की कमर तोड़ने के लिए काफी है। किसी भी व्यवसाय में जब लागत इतनी तेजी से बढ़े और राजस्व उसके अनुपात में न बढ़ पाए, तो व्यवसाय का टिके रहना असंभव हो जाता है। ATF की मूल कीमत के अलावा, सरकारी कर ढाँचा भी इस संकट को गहरा करने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। केंद्र सरकार ATF पर 11 प्रतिशत उत्पाद शुल्क लगाती है, जो ईंधन की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ प्रतिशत के हिसाब से और अधिक हो जाता है। यानी जितनी अधिक कीमत, उतना अधिक कर – एयरलाइनों के लिए यह दोहरी मार है। इसके अलावा राज्य सरकारें भी पीछे नहीं हैं। दिल्ली में ATF पर वैट 25 प्रतिशत है, तमिलनाडु में 29 प्रतिशत – जो देश में सर्वाधिक है। मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता जैसे प्रमुख विमानन केंद्रों पर वैट 16 से 20 प्रतिशत के बीच है। ये छह शहर भारत के कुल विमान परिचालन के आधे से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं, इसलिए यहाँ लगने वाले कर उद्योग की आर्थिक व्यवहार्यता को सीधे प्रभावित करते हैं। FIA ने सरकार से माँग की है कि 'क्रैक बैंड' मूल्य निर्धारण तंत्र को पुनः लागू किया जाए, जो रिफाइनरी मार्जिन को नियंत्रित करके ATF की कीमतों में स्थिरता लाता था। यह व्यवस्था कोविड महामारी के बाद लागू की गई थी और दिसंबर 2024 तक चली, जब कीमतें स्थिर होने पर इसे समाप्त कर दिया गया। लेकिन अब जब वैश्विक परिस्थितियाँ फिर से बिगड़ी हैं, तो इस तंत्र की वापसी अनिवार्य लगती है। यह संकट सिर्फ एयरलाइनों का नहीं है – इसकी आँच आम यात्री तक भी पहुँचेगी। जब परिचालन लागत बढ़ती है तो एयरलाइनें किराए में वृद्धि करती हैं, उड़ानें रद्द करती हैं और कम लाभदायक मार्गों को बंद कर देती हैं। यदि छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने वाली उड़ानें बंद हुईं, तो इसका खामियाजा उन लोगों को भुगतना पड़ेगा जो हवाई संपर्क पर निर्भर हैं। पर्यटन उद्योग, व्यापार और रोजगार पर भी इसका असर पड़ेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर मार्च से जून 2026 के बीच पहले की तुलना में डेढ़ लाख से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। यहाँ यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकार को एयरलाइनों की समस्याओं में हस्तक्षेप करना चाहिए? इसका सीधा उत्तर है – हाँ, और यह जनहित में है। विमानन क्षेत्र केवल यात्रा का साधन नहीं है, यह देश की आर्थिक रीढ़ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह लाखों लोगों को रोजगार देता है, विदेशी निवेश को आकर्षित करता है और पर्यटन से राजस्व लाता है। यदि एयरलाइनें बंद हुईं या उनका परिचालन सिकुड़ा, तो इसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम होंगे। FIA की माँगें तर्कसंगत हैं। उत्पाद शुल्क में अस्थायी राहत, 'क्रैक बैंड' तंत्र की बहाली और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए एकसमान मूल्य निर्धारण ढाँचा – ये ऐसे कदम हैं जो उद्योग को संकट से उबारने में सहायक होंगे। राज्य सरकारों को भी वैट दरों में कमी लाने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि दीर्घकाल में एक स्वस्थ विमानन उद्योग राज्यों के लिए भी अधिक राजस्व सुनिश्चित करेगा। आसमान में उड़ान भरना आज भी करोड़ों भारतीयों का सपना है और कई लाखों की दैनिक जरूरत बन चुकी है। इस सपने और जरूरत को जिंदा रखने के लिए सरकार और उद्योग दोनों को मिलकर काम करना होगा। वैश्विक संकट के इस दौर में नीतिगत लचीलापन और समय पर हस्तक्षेप ही उद्योग को पटरी पर रख सकता है। यदि सरकार ने इस एसओएस को अनसुना किया, तो वह दिन दूर नहीं जब हवाई अड्डों पर सन्नाटा छाएगा और यात्री जमीन पर खड़े आसमान को निहारते रह जाएँगे। सरकार को चाहिए कि वह उद्योग की इस पुकार को नीतिगत प्राथमिकता दे और त्वरित, ठोस एवं दीर्घकालिक राहत उपाय घोषित करे – ताकि भारत का विमानन क्षेत्र न केवल जीवित रहे, बल्कि फले-फूले भी।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए है इन दो देशों के बीच नए युग का उदय

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारत ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी आर्थिक शक्ति और रणनीतिक दूरदर्शिता का दमदार परिचय दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर लगी आधिकारिक मुहर आज उस नए भारत की तस्वीर है जो अवसरों को पहचानता है, उन्हें आकार देता है और पूरी दुनिया को अपने साथ जोड़कर आगे बढ़ता है।

वस्तुतः एक दशक लंबे इंतजार के बाद साकार हुआ यह समझौता हर भारतीय के भीतर नई ऊर्जा, नया आत्मविश्वास और वैश्विक पहचान का एहसास जगा रहा है। इसके आरंभ में जाएं तो भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस समझौते की शुरूआत वर्ष 2010 में हुई थी। कई दौर की बातचीत के बाद 2015 में यह प्रक्रिया थम गई थी। समय ने करवट ली, वैश्विक आर्थिक समीकरण बदले और वर्ष 2025 में दोनों देशों ने एक बार फिर इस दिशा में कदम बढ़ाया। महज कुछ महीनों की गहन वाताओं के बाद यह समझौता अपने अंतिम स्वरूप तक पहुँच गया। यह तेज गति अपने आप में इस बात का संकेत है कि भारत आज निर्णायक फैसले लेने में कितना सक्षम और आत्मविश्वासी बन चुका है।

इस समझौते की सबसे बड़ी खासियत इसका व्यापक प्रभाव है। यह रोजगार, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसे अनेक क्षेत्रों को एक साथ आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करता है। खास तौर पर भारत के युवाओं के लिए यह समझौता एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। भारतीय युवा जो विदेश में अपने कौशल का प्रदर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए अब रास्ते और भी सरल हो गए हैं। न्यूजीलैंड द्वारा शुरू की जाने वाली नई वीजा व्यवस्था के तहत हजारों भारतीय पेशेवरों को वहाँ काम करने का अवसर मिलेगा। आईटी, शिक्षा, हेल्थकेयर, फाइनेंस और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभा का डंका बजेगा।

भारतीय संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान की भी इस समझौते में विशेष झलक दिखाई देती है। योग प्रशिक्षकों, आयुष विशेषज्ञों, भारतीय व्यंजनों के जानकार शेफ और संगीत सिखाने वाले कलाकारों के लिए वैश्विक मंच तैयार हो रहा है। ऐसे में कहना यही होगा कि यह अवसर रोजगार के साथ ही भारत की सांस्कृतिक विरासत को दुनिया तक पहुँचाने का एक प्रभावशाली माध्यम भी बनकर हमारे सामने आया है।

इस समझौते का असर भारतीय उद्योगों पर भी बेहद सकारात्मक दिखाई देगा। टेक्सटाइल, चमड़ा, प्लास्टिक, इंजीनियरिंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों को अब न्यूजीलैंड के बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। इसका सीधा अर्थ है कि भारतीय उत्पाद वहाँ अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे और निर्यात में तेज वृद्धि देखने को मिलेगी। आगरा जैसे शहर, जहाँ चमड़ा उद्योग की मजबूत पहचान है, वहाँ के उद्यमियों के लिए यह समझौता नई उम्मीदों का द्वार खोलता है।

फार्मा और मेडिकल डिवाइस सेक्टर के लिए भी यह समझौता अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय कंपनियों को न्यूजीलैंड में तेजी से स्वीकृति मिलने लगेगी। इससे लागत में कमी आएगी और भारत की दवाओं की पहुँच वहाँ के लोगों तक और अधिक तेजी से होगी। यह वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को भी मजबूत बनाएगा। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के लिए भी यह समझौता किसी बड़े अवसर से कम नहीं है। भारत जैसा विशाल उपभोक्ता बाजार अब उनके उत्पादों के लिए और अधिक सुलभ हो जाएगा। कीवीफ्रूट, चेरी, ब्लूबेरी, एवोकाडो, ऊन, लकड़ी और समुद्री खाद्य पदार्थ भारतीय बाजार में आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। आने वाले वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में बड़े पैमाने पर निवेश किए जाने की संभावना जताई जा रही है। बुनियादी ढाँचा, कृषि तकनीक, शिक्षा, पर्यटन और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में यह निवेश भारत की आर्थिक गति को और तेज करेगा, जिसके फलस्वरूप देश की विकास यात्रा को नई ऊर्जा मिलेगी।

इस समझौते की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें भारत के किसानों और छोटे उद्योगों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। डेयरी, चीनी और कुछ धातु जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को इस समझौते से बाहर रखा गया है। इससे घरेलू उत्पादकों को सुरक्षा मिलेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनी रहेगी। सेब, कीवी और मनुका शहद जैसे उत्पादों पर सख्त आयात नियम बनाए गए हैं, जिससे भारतीय किसानों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ेगा।

इस तरह से देखें तो भारत की योजना स्पष्ट रूप से सामने आती है। देश छोटे मगर महत्वपूर्ण वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पकड़ बनाना चाहता है। न्यूजीलैंड के साथ यह समझौता उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्तमान व्यापार आंकड़े आने वाले समय में कई गुना बढ़ने की संभावना है। नए अवसर, नई संभावनाएँ और नई सफलताएँ इस समझौते के साथ जुड़ी हुई हैं।

कुल मिलाकर कहें कि भारतझ्रन्यूजीलैंड एफटीए आज हर भारतीय के लिए बहुत ही गर्व का क्षण है। यह समझौता उस आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत की गाथा कह रहा है जो दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। यह एक नई शुरूआत है, एक नई दिशा है, जहाँ भारत वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर हर दिन अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

आज का राशिफल

मेषः आज किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचें, वरना परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। रचनात्मक सोच आपके भीतर नई ऊर्जा पैदा करेगी। निवेश करने से पहले पूरी जानकारी जरूर लें। आप कम समय में कई जरूरी काम पूरे कर पाएंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः मौसम में बदलाव का असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए सतर्क रहें। किसी मुद्दे को लेकर मानसिक उलझनें बढ़ सकती हैं। निजी जीवन में भी कुछ तनाव महसूस हो सकता है। मनोरंजन और गेम्स में रुचि बढ़ेगी, लेकिन दूसरों के मामलों से दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः व्यापार से जुड़े किसी निर्णय को लेकर असमंजस की स्थिति बन सकती है। अपनी भविष्य की योजनाओं को फिलहाल गोपनीय रखना ही समझदारी होगी। आपके शब्द किसी को आहत कर सकते हैं, इसलिए सोच-समझकर ही बोलें। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आज का दिन परिवार के साथ सुकून भरा रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और मन प्रसन्न रहेगा। कहीं घूमने या छोटी यात्रा की योजना बन सकती है। व्यवसाय में अचानक लाभ मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः अनावश्यक खर्चों से बजट बिगड़ सकता है, इसलिए संयम रखें। कार्यस्थल पर वरिष्ठ आपकी कार्यशैली से असंतुष्ट हो सकते हैं। आज अधिक लाभ की उम्मीद करना उचित नहीं है। किसी को उधार देने से बचें और स्वास्थ्य, विशेषकर पेट से जुड़ी समस्याओं पर ध्यान दें। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः आर्थिक दृष्टि से आज का दिन लाभदायक साबित हो सकता है। पुराने मित्र से मुलाकात खुशी देगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और उपहार मिलने के योग हैं। विवाह से जुड़ी बातचीत आगे बढ़ सकती है। लेन-देन से जुड़े विवाद सुलझने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः व्यापार में जोखिम लेने से नुकसान हो सकता है, इसलिए सतर्क रहें। करीबी लोगों से बहस से बचें। किसी पर आंख मूंदकर भरोसा करना नुकसानदेह हो सकता है। बाहर जाते समय सावधानी बरतें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आज आप अपने प्रियजनों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और सामाजिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनुः दिनचर्या को व्यवस्थित रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। काम के प्रति आपकी लगन दूसरों को प्रेरित करेगी। सम्मान और प्रशंसा मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। पहले लिए गए निर्णयों का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। आध्यात्मिक विचारों की ओर भी रुझान बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

मकरः कुछ कार्य अधूरे रह सकते हैं, लेकिन धैर्य बनाए रखें। आर्थिक मामलों में संतुलन जरूरी है, इसलिए खर्चों पर नियंत्रण रखें। मन में अनावश्यक विचार आ सकते हैं, जिनसे दूरी बनाएं। पुराने प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः आज मन में असमंजस बना रह सकता है, इसलिए मानसिक रूप से मजबूत रहें। सिरदर्द या गर्दन से जुड़ी परेशानी हो सकती है। छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव लेने से बचें। दूसरों के हस्तक्षेप से काम प्रभावित हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

मीनः आज आप अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट महसूस करेंगे। अनुशासित दिनचर्या आपको सफलता दिलाएगी। दोस्तों के साथ समय बिताने और उनकी इच्छाओं को पूरा करने का प्रयास करेंगे। बड़ी व्यावसायिक डील संभव है और करियर में उन्नति के संकेत मिल रहे हैं। *(सिटी दर्पण)*

नारंगी अर्थव्यवस्थाः जनजातीय कला, हस्तशिल्प और आजीविका

रंजना चोपड़ा

वर्शांग खैयर मणिपुर के उखरूल जिले के लॉन्गपी गाँव के निवासी हैं, जो अपने और अपने परिवार की रोजी-रोटी गाँव में उपलब्ध गारे और सर्पेंटीनाइट पत्थर से बर्तन बनाकर कमाते हैं। स्थानीय तांगखुल नागा जनजातियों के अनुसार, यह पारंपरिक शिल्प, देवी पंथोइबी की कृपा है और आज यह उनकी आय का मुख्य स्त्रोत है और इसने छोटे से गाँव को वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है। इसी तरह, नॉर्थी कुट्टन, जो तमिलनाडु के उद्गमंडलम जिले के पागलकोड मंड गाँव में रहते हैं, पारंपरिक कढ़ाई कला से अपनी आजीविका कमा रहे हैं। इस कढ़ाई कला का उपयोग नीलगिरी के हरे-भरे जंगलों में बसे टोडा जनजाति समूह द्वारा किया जाता है। जीआई टैग से युक्त यह शिल्प प्रकृति और सामुदायिक बंधन का जश्न मनाता है और इसे बहुत ही सुंदरता के साथ टेबल मैट, रनर, जैकेट आदि पर अंकित किया जाता है और समकालीन उपयोग में इसे लोकप्रियता भी मिली है। खैयर और कुट्टन दोनों अपने पारंपरिक जनजातीय कला रूपों के एक उन्नत रूप का अभ्यास करके सालाना लगभग 6-8 लाख रुपये कमाते हैं।

जनजातीय आजीविका लंबे समय से ज्ञान और पारंपरिक प्रथाओं पर आधारित रही है, जहां रचनात्मकता शिल्प, परंपरा, वस्त्र, संगीत, नृत्य, कथा-वाचन और भाषाओं में निहित है। ये केवल उत्पाद या सेवाएं नहीं हैं, बल्कि ज्ञान की जीवित विरासत हैं, जो पीढ़ियों के माध्यम से आगे बढ़ती हैं। जनजातीय समुदायों के पास मौजूद रचनात्मक संपत्तियों का महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य है, जिसे यदि परंपरा के प्रति संवेदनशील रहते हुए सतत तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह नारंगी अर्थव्यवस्था (ऑरेंज इकोनॉमी) को गति दे सकता है और इस इकोसिस्टम के तहत आय उत्पन्न करने वाली गतिविधियों का सृजन कर सकता है।

रचनात्मक अर्थव्यवस्था को दशार्ने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली नारंगी अर्थव्यवस्था, यूएनसीटीएडी (संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन) के अनुमान के अनुसार 2 ट्रिलियन डॉलर से 2.25 ट्रिलियन डॉलर के बीच है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 3.1% है। भारत में, जहाँ हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए ठोस डेटा मौजूद है, वहीं जनजातीय शिल्प और आजीविका के लिए डेटा की कमी है। हालांकि, रणनीतिक निहितार्थ स्पष्ट हैः जनजातीय कला और शिल्प कुछ ऐसी ग्रामीण आजीविकाएं हैं, जो वैश्विक रचनात्मक वस्तुएँ की मांग से सीधे जुड़ सकती हैं यदि प्रामाणिकता, लॉजिस्टिक्स और गुणवत्ता प्रणाली मौजूद हों।

अनुमान है कि भारत की अनुसूचित जनजाति की आबादी 104 मिलियन है और कुल आबादी में इसकी हिस्सेदारी लगभग 8.6% है। लगभग 700 अलग-अलग जनजातीय समुदाय विभिन्न पारिस्थितिक क्षेत्रों में निवास करते हैंः जंगल, पहाड़, मैदान और सीमा क्षेत्र। इस विविधता का प्रत्यक्ष आर्थिक संबंध है। यह पारिस्थितिकी के अनुसार शिल्प विशेषज्ञता को प्रतिबिंबित करता है, जैसे जंगल वाले क्षेत्रों में बांस और छड़ी, खनिज क्षेत्रों में धातु और मिट्टी, और बुनाई गलियारों में वस्त्र परंपराएँ।

इसके परिणामस्वरूप, भारत के जनजातीय क्षेत्र; एकल जनजातीय शिल्प क्षेत्र के बजाय 'विविध अर्थव्यवस्थाओं' से युक्त हैं। इसलिए, नीति निर्माण क्षेत्रीय रूप से भिन्न होना चाहिए और 'सभी के लिए उपयुक्त एक ही शिल्प योजना' नहीं होनी चाहिए। नीतियों को कच्चे माल की सीमाओं, डिजाइन और गुणवत्ता संबंधी मुद्दों और बाजार संबंधों को ध्यान में रखना चाहिए।

वर्तमान में, जनजातीय कला/हस्तशिल्प आजीविका इकोसिस्टम, कई मंत्रालयों और संस्थानों के कायार्देशों से बना है, जो विभिन्न स्तरों पर एक-जैसे हैं। जनजातीय कार्य मंत्रालय इस इकोसिस्टम का मुख्य स्तंभ है और विकास के लिए अत्यंत आवश्यक अवसंरचना में सुधार करता है और ट्राइफेड (भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड) के माध्यम से बाजार-जुड़ाव की सुविधा देता है। ट्राइफेड एक प्रमुख बाजार संचालक के रूप में कार्य करता है। ट्राइफेड वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) का समर्थन करता है, जो खरीद और मूल्य संवर्धन के लिए जमीनी स्तर की इकाइयाँ हैं। ट्राइफेड, ट्राइब्स इंडिया आउटलेट और आदि महोत्सव/हाट्स के माध्यम से खुदरा विपणन करता है ताकि उत्पादकों को खरीदारों और संस्थागत भागीदारों से जोड़ा जा सके।

वस्त्र मंत्रालय राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के माध्यम से हस्तशिल्प को बढ़ावा देता है और समग्र हथकरघा/हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजनाओं (सीएचसीडीएस) के माध्यम से क्लस्टर अवसंरचना को प्रोत्साहन देता है और कारीगरों के डेटाबेस को अद्यतन करता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) पारंपरिक उद्योग पुनरुत्थान निधि योजना (स्फूर्ति) के माध्यम से क्लस्टर पुनरुत्थान और बिक्री-योग्यता का समर्थन करता है, स्पष्ट रूप से आपूर्ति-संचालित मॉडल के बदले बाजार-संचालित मॉडल का उपयोग करता है और ई-कॉमर्स को एक माध्यम के रूप में महत्व देता है।

अनुभव से पता चलता है कि ग्रामीण आजीविका मूल्य-श्रृंखला चुनौतीपूर्ण है क्योंकि ये कमजोर हैं, कारीगर सीधे बाजार से जुड़े नहीं होते हैं और मध्यस्थों पर अधिक निर्भर रहते हैं। ये कारक लाभ कम कर देते हैं तथा खराब भंडारण और एकत्रीकरण की वजह से अर्थव्यवस्था के विस्तार को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि हम विश्लेषण को कारीगर परिवारों के स्तर तक और गहराई से देखें, तो जो पैटर्न दिखाई देता है वह मिश्रित अर्थव्यवस्था का है। कारीगर शिल्प कार्य को सहायक या अंशकालिक रोजगार के रूप में देखते हैं, विशेष रूप से ऐसे क्षेत्रों में, जहां कृषि मौसम-आधारित है या परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। इस परिस्थिति में, खराब ऋण पात्रता और उद्यम विकास, बाजार से जुड़ाव की कमी और व्यापारियों पर निर्भरता से आय प्रवाह अनियमित हो जाता है।

हालांकि, शिल्प कम पूंजी में घर पर उत्पादित किए जा सकते हैं, जिनमें उच्च लाभ की संभावना भी हो सकती है। शिल्प हस्तक्षेप अक्सर महिलाओं के रोजगार, आय और सौदेबाजी की शक्ति से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। मोटे अनुमान बताते हैं कि 7 मिलियन से अधिक कारीगरों में महिलाओं की हिस्सेदारी 56% से 70% से अधिक हैं और हथकरघा क्षेत्र के बुनकरों में 72.29% महिलाएं हैं। कौशल हस्तांतरण अनौपचारिक होता है और आमतौर पर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दिया जाता है। जनजातीय कला रूपों के लिए, जहां तकनीक और आख्यान में सांस्कृतिक अर्थ निहित होता है, वहाँ हस्तांतरण दोनों तरह का होता है–आर्थिक (कौशल) और सांस्कृतिक (प्रामाणिकता)।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत तीन मौजूदा मॉडल मजबूत जुड़ाव के उपाय प्रदान करते हैंः वीडीवीके जैसी उत्पादनकर्ता समितियाँ, जो साझा अवसंरचना और संग्रहण प्रदान करती हैं; ट्राइब्स इंडिया स्टोर जो खरीदार से जोड़ने में मदद करते हैं और राज्य स्तर पर क्लस्टर विकास और कौशल उन्नयन के लिए सहकारी संस्थाएँ। उदाहरण के लिए, ओडिशा में 150 वीडीवीके कार्यरत हैं जिनकी कुल बिक्री 2,459.91 लाख है और जिसमें लगभग 40,000 जनजातीय उत्पादकों को एकीकृत किया गया है। जनजातीय विकास सहकारी निगम एक उच्च स्तरीय सहकारी संस्था है, जो जनजातीय उत्पादकों द्वारा तैयार किये गये वन और गैर-वन आधारित वस्तुओं के विपणन और ब्रांडिंग का कार्य करती है।

यह भारत के लिए एक मुख्य रणनीतिक सिफारिश को रेखांकित करता हैः नारंगी अर्थव्यवस्था में जनजातीय कला/हस्तशिल्प को बेहतर क्षेत्रीय लेखांकन, लागू करने योग्य प्रामाणिकता/नैतिक व्यापार संरचना, और उत्पादक-संचालित वितरण की आवश्यकता है, जो मध्यस्थों के प्रभाव को कम करता हो। लघु-अवधि के लिए भारत ट्राइब्स फेस्ट जैसे त्योहारों को खरीद संभावना तथा उत्पाद कैटलॉग के मानकीकरण और डिजिटलीकरण के रूप में देखा जाना चाहिए एवं राष्ट्रीय एसटी वित्त विकास निगम और पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं के माध्यम से ऋण समर्थन को खरीदार आदेशों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए।

हालांकि, दीर्घ-अवधि के लिए सरकार को एक जनजातीय रचनात्मक अर्थव्यवस्था उपग्रह विवरण बनाने, निर्यात स्तर की अनुपालन और ब्रांड संरचना स्थापित करने और जनजातीय कला के लिए भारत-उपयुक्त नैतिक व्यापार संहिता तैयार करने पर विचार करना होगा। इन उपायों के माध्यम से, जनजातीय नारंगी अर्थव्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों से उभरकर विकसित भारत @2047 की यात्रा में शामिल हो जाएगी।

(लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं)

नई बयारः अधेड़ भारतीयों में आकर्षक दिखने की चाहत

विवेक शुक्ला (हि.स)

भारत में एक अलग तरह की क्रांति दस्तक दे रही है। मध्यम आयु वर्ग के पुरुष और महिलाएं अब अपने आपको अधिक आकर्षक और आत्मविश्वासपूर्ण बनाने के लिए चेहरे की एडवांस सर्जरी करवा रहे हैं। समय के साथ बढ़ती उम्र, व्यस्त जीवनशैली और बदलते सामाजिक-व्यावसायिक माहौल में ये लोग अब केवल स्वस्थ रहने पर ही नहीं बल्कि बाहरी रूप-सौंदर्य को बनाए रखने पर भी गंभीरतापूर्वक ध्यान दे रहे हैं।

इस सर्जरी को डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी कहते हैं। पहले यह सर्जरी सिर्फ बड़े-बड़े सितारों तक ही सीमित थी लेकिन अब मिडिल क्लास भारतीय भी इसके लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं। पूरे भारत में 40 से 65 साल के पुरुष और महिलाएं इस सर्जरी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सर्जरी चेहरे को नाटकीय तरीके से नहीं बल्कि बहुत नेचुरल और सूक्ष्म तरीके से जवान बनाती है। लोग अपनी उम्र के साथ आने वाली झुर्रियों, ढीली त्वचा और थकी हुई लुक से छुटकारा पाना चाहते हैं।

इस तकनीक को भारत में आगे बढ़ाने वाले दिल्ली के मशहूर फेशियल प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रतीक शर्मा, जो पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जुड़े थे और आजकल राजधानी के ईवाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, ने एक सेमिनार में बताया कि गहरी लेयर्स को लिफ्ट करने से रिजल्ट ज्यादा लंबे समय तक रहते हैं और चेहरा ज्यादा नेचुरल और संतुलित दिखता है।

वे कहते हैं, 'ये सिर्फ झुर्रियाँ मिटाने की बात नहीं है। ये लोगों को आत्मविश्वास वापस लौटाने और दुनिया के सामने नए जोश के साथ खड़े होने में मदद करता है।'

डीप प्लेन फेसलिफ्ट आखिर है क्या? साधारण फेसलिफ्ट सर्जरी में सिर्फ ऊपरी स्किन को खींचा जाता है। लेकिन डीप प्लेन फेसलिफ्ट उससे कहीं आगे जाती है। इसमें उम्र के साथ ढीले पड़ चुके मसल्स, फैट पैड्स और कनेक्टिव टिश्यू को भी ध्यान से संभाला जाता है।

सर्जन इन सबको एक साथ एक यूनिट के रूप में ऊपर उठाता है। इसमें मिड-फेस, जबड़ा, गाल और गर्दन सब शामिल होते हैं। इससे चेहरा स्मूद हो जाता है, नाक से मुंह तक की गहरी लकीरें कम हो जाती हैं और चेहरे में फिर से जवानी वाली चमक लौट आती है। यह प्रक्रिया चेहरे की गहराई में काम करती है इसलिए नतीजा बहुत प्राकृतिक लगता है।

पहले एम्स से जुड़ी रही प्लास्टिक सर्जन डॉ. श्रेया गर्ग, जो अब अलोइसियावाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, बताती हैं कि यह प्रोसीजर अब अमीरों की लग्जरी नहीं रह गई है। अब लोअर मिडिल क्लास परिवारों की महिलाएं और पुरुष भी इसे करवा रहे हैं। खास बात यह है कि बदलाव बहुत सूक्ष्म लेकिन असरदार होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन कोई यह नहीं कह पाता कि 'इन्होंने कुछ करवाया है।' दोस्त और परिवार वाले बस इतना कहते हैं कि आप बहुत तरोताजा और खुश दिख रहे हैं।

विशेषज्ञों के पास परामर्श के लिए हर वर्ग से लोग आ रहे हैं। सरकारी नौकरी वाले, प्राइवेट सेक्टर के मैनेजर, बिजनेसमैन और घरेलू महिलाएं सभी इसमें रुचि ले रहे हैं। लोग अब कॉस्मेटिक सर्जरी को दिखावा नहीं बल्कि अपने इमेज, करियर और वेल-बीइंग में निवेश मानते हैं। उम्र तो सबको लगती है, यह सर्जरी बस उस मैदान को थोड़ा बराबर कर देती है।

इसके अलावा, यह सर्जरी गर्दन की त्वचा को भी टाइट करती है, जिससे डबल चिन जैसी समस्या कम हो जाती है। चेहरे पर थकान का भाव कम होता है और आंखों के नीचे की सूजन भी घटती है। रिकवरी का समय भी अब पहले से काफी कम हो गया है। ज्यादातर लोग 10-14 दिनों में सामान्य कामकाज पर लौट आते हैं।

सर्जरी से पहले डॉक्टर पूरी जांच करते हैं। ब्लड टेस्ट, हार्ट चेकअप और मेडिकल हिस्ट्री देखी जाती है। सर्जरी जनरल एनेस्थीसिया में होती है और इसमें दो से चार घंटे लगते हैं। बाद में हल्का सूजन और चोट के निशान रह सकते हैं, जो धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं।

अमेरिका और यूरोप में यह हॉलीवुड और फैशन जगत की कई हस्तियों का पसंदीदा विकल्प बन चुका है। सोनजा मॉर्गन, रिकी लेक, मैकेंजी वेस्टमोर, जैकी हैरी जैसी सेलिब्रिटीज ने भी इसके नेचुरल रिजल्ट्स की तारीफ की। क्रिस जेनर जैसी हस्तियों के साथ भी इसकी चर्चा रहती है।

भारत में भी कई बड़े सितारों ने इस सर्जरी को करवाया है, पर वे इस बात को अज्ञात कारणों से सार्वजनिक नहीं करते। अमेरिका और यूरोप में अधेड़ और उम्रदराज लोग डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी का लाभ लंबे समय से ले रहे हैं। वहां बहुत सारे हॉलीवुड सितारे भी इस सर्जरी को करवाने के बाद अपने करियर को चमका रहे हैं।

भारत में भी अब जागरूकता बढ़ रही है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अच्छे अस्पताल उपलब्ध हैं। डॉक्टर सलाह देते हैं कि सर्जरी चुनने से पहले हमेशा योग्य और अनुभवी सर्जन से ही संपर्क करें।

आज के समय में दिखावे और आत्मविश्वास का महत्व बहुत बढ़ गया है। डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प बनकर उभरी है जो अपनी उम्र को महसूस नहीं करना चाहते। यह सर्जरी सिर्फ चेहरे को नहीं बल्कि जीवन के नए अध्याय को खोलती है। अगर आप भी 45 साल के पार हैं और लगता है कि चेहरा थका हुआ दिख रहा है तो एक अच्छे सर्जन से सलाह जरूर लें। सही निर्णय से आपका आत्मविश्वास नया जोश पा सकता है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

पटियाला पुलिस द्वारा सीमा पार संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, युद्धक हथियार और गोला-बारूद बरामद

शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर हुए बम धमाके की गुत्थी सुलझाई: डीआईजी चाहल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/पटियाला

पटियाला पुलिस ने 12 घंटों के भीतर ही शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर हुए बम धमाके की गुत्थी सुलझा ली है। इसके साथ ही सीमा पार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के इशारे पर संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए भारी मात्रा में युद्धक हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है तथा इस मॉड्यूल से जुड़े 4 पेशेवर आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की गई है। यह खुलासा पटियाला रेंज के डीआईजी कुलदीप सिंह चाहल और जिला पुलिस प्रमुख वरुण शर्मा ने पटियाला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान किया।

यहां पुलिस लाइन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डीआईजी कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर हुए बम धमाके की गुत्थी सुलझाने के लिए एसपी (एच) वैभव चौधरी की निगरानी में डीएसपी सुखअमृत सिंह रंधावा, सीआईए पटियाला के इंचार्ज इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह बाजवा, सीआईए समाना के इंचार्ज इंस्पेक्टर अंकुरदीप सिंह, थाना कोतवाली पटियाला के एसएचओ इंस्पेक्टर जसप्रीत सिंह काहलो तथा स्पेशल सेल राजपुरा के इंचार्ज एसआई मनप्रीत सिंह की टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने अत्यंत पेशेवर तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपियों–परदीप सिंह खालसा पुत्र निर्मल सिंह निवासी वार्ड नंबर 1, डॉक्टर निसान सिंह वाली गली, सिद्धू अस्पताल के पीछे, मानसा; कुलविंदर सिंह बग्गा पुत्र सीरा सिंह निवासी बप्पियाना जिला मानसा; सतनाम सिंह सत्ता पुत्र लखविंदर सिंह निवासी पंजवड़ जिला तरनतारन; तथा गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी पुत्र सुखविंदर सिंह निवासी बाबा बिधी चंद नगर, मुरादपुर खुर्द, गोइंदवाल, थाना सिटी तरनतारन–को गिरफ्तार किया।

डीआईजी ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में युद्धक हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है, जो उन्होंने सीमा पार बैठे अपने आतंकी हैंडलरों की मदद से हासिल किया था। बरामद सामग्री में एक बम, 2 पिस्तौल सहित जिंदा कारतूस, आईईडी बनाने में प्रयुक्त सामग्री तथा मलेशिया में बैठे हैंडलरों से संपर्क के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लैपटॉप और अन्य तकनीकी उपकरण शामिल हैं।

डीआईजी कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि इस मॉड्यूल का मुख्य सरगना परदीप सिंह खालसा है, जो खालिस्तानी विचारधारा से प्रभावित होकर चलदा वहीर चक्रवर्ती, अटारिए नामक संगठन चला रहा था। वह विदेश में मलेशिया स्थित खालिस्तानी उग्रवादी समूहों और पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों के संपर्क में था। उन्होंने बताया कि इनका मकसद पंजाब में आतंकी घटनाओं को अंजाम देकर शांति भंग करना और दहशत का माहौल पैदा करना था, जिसके लिए पाकिस्तान स्थित हैंडलरों द्वारा इन्हें भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार मुहैया कराए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी है और उनके खिलाफ विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।

डीआईजी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि 27 अप्रैल 2026 की रात करीब 8:55 बजे इनके साथियों ने शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर बम विस्फोट कर रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाया। इस संबंध में थाना जीआरपी पटियाला में मुकदमा नंबर 11 दिनांक 28.04.2026, विस्फोटक अधिनियम की धारा 3 तथा रेलवे अधिनियम की धारा 150 के तहत दर्ज किया गया था। डीआईजी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मॉड्यूल का सरगना परदीप सिंह खालसा अपने साथियों के साथ पंजाब के प्रमुख रेलवे मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर बम धमाके कर राज्य में उग्रवाद को पुनर्जीवित करना चाहता है। इस संबंध में थाना कोतवाली पटियाला में मुकदमा नंबर 76 दिनांक 28.04.2026, बीएनएस की धारा 111, विस्फोटक अधिनियम की धाराएं 3, 4, 5, शस्त्र अधिनियम की धारा 25 तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) 1967 की धाराएं 13, 16, 18, 20 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

डीआईजी ने बताया कि पुलिस टीमों ने परदीप सिंह खालसा, कुलविंदर सिंह बग्गा, सतनाम सिंह सत्ता और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी को आज बड़ी नदी बांध रोड के पास कूड़े के ढेर के निकट से गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार व गोला-बारूद बरामद किया।

डीआईजी ने कहा कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है। उन्हें अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाएगा, ताकि विदेशों में बैठे खालिस्तानी समर्थकों से उनके संबंधों और विदेशी फंडिंग की गहराई से जांच की जा सके।

एसएसपी वरुण शर्मा ने कहा कि इस आतंकी मॉड्यूल की गिरफ्तारी से पंजाब में संभावित बड़ी वारदातों को रोका गया है, जिनसे जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अब तक 1.32 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने धार्मिक स्थलों के दर्शन किए: हरदीप सिंह मुंडियां

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राजस्व मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख पहल मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के दो चरणों के तहत अब तक 1.32 लाख से अधिक श्रद्धालु विभिन्न पवित्र स्थलों के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को मुफ़्त धार्मिक यात्रा सुविधा प्रदान करना और धार्मिक स्थलों के दर्शन करने के उनके सपनों को पूरा करना है।

वर्तमान में चल रहे दूसरे चरण की ज़िला-वार प्रगति साझा करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि 27 अप्रैल, 2026 तक बठिंडा क्लस्टर से 1179 यात्राएं करवाई गईं, जिनके तहत 46,030 श्रद्धालु दर्शन के लिए गए। इसी तरह मोहाली से 533 यात्राओं के माध्यम

से 21,104 श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाए गए, जबकि लुधियाना से 596 यात्राओं के तहत 23,747 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और अमृतसर क्लस्टर से 154 यात्राओं के जरिए 6,160 श्रद्धालुओं को दर्शन करवाए गए। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर इन क्लस्टरों से 2462 यात्राओं के माध्यम से 97,041 श्रद्धालुओं को मुफ़्त धार्मिक यात्रा करवाई गई।

उन्होंने बताया कि 27 नवंबर, 2023 को प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व को समर्पित मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के पहले चरण के तहत लगभग 35,500 श्रद्धालुओं ने श्री हजूर साहिब (नांदेड़), श्री पटना साहिब (बिहार), वाराणसी मंदिर, मथुरा और श्री वृंदावन धाम (उत्तर प्रदेश), अजमेर शरीफ दरगाह (राजस्थान), श्री आनंदपुर साहिब, श्री अमृतसर साहिब, श्री दमदमा साहिब (तलवंडी साबो), श्री सालासर धाम, श्री खाटू श्याम जी, माता चिंतपूर्णी जी, माता ज्वाला जी, माता नैना देवी जी और माता वैष्णो देवी जी सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन किए थे।

स. हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि इस योजना का दूसरा चरण नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व के अवसर पर अक्टूबर 2025 में शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी धर्मों, जातियों और क्षेत्रों के श्रद्धालु इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण के तहत श्रद्धालुओं को श्री हरिमंदिर साहिब, श्री दुर्गियाना मंदिर, भगवान श्री वाल्मीकि तीर्थ स्थल, जलियांवाला बाग, पार्टिशन म्यूज़ियम सहित कई अन्य प्रमुख धार्मिक और विरासत स्थलों पर ले जाया जा रहा है।

इस योजना के तहत प्रदान की जा रही सुविधाओं पर प्रकाश डालते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि योजना के दोनों चरणों के तहत श्रद्धालुओं को मुफ़्त यात्रा, आवास, भोजन, चिकित्सा सहायता और आवश्यक किटें उपलब्ध करवाई गई हैं, जिसका पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अपने पैतृक गांव सतोज से जनगणना 2027 के पहले चरण मकानों की सूची एवं गणना का उद्घाटन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जनगणना 2027 में डिजिटल सहभागिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान जी ने आज राज्य में जनगणना 2027 के पहले चरण मकान सूचीकरण और मकानों की गणना प्रक्रिया का औपचारिक उद्घाटन किया। माननीय मुख्यमंत्री ने संगरुर जिले के अपने पैतृक गांव सतोज से आधिकारिक ऑनलाइन जनगणना पोर्टल (सेंसस२४२.इन) के माध्यम से अपनी स्वयं-गणना पूरी की, जो नागरिकों को डिजिटल जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने में श्री मनजीत सिंह बराड़, आईएएस, प्रशासनिक सचिव, स्थानीय निकाय विभाग, पंजाब तथा डॉ. नवजोत खोसा, आईएएस, निदेशक, जनगणना संचालन निदेशालय, पंजाब एवं यूटी चंडीगढ़ के साथ श्री राहुल चाबा, आईएएस, उपायुक्त, संगरुर ने सहयोग दिया।

निर्धारित डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए स्वयं-गणना की प्रक्रिया को व्यक्तिगत रूप से अपनाकर, माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस पहल की सरलता, सुलभता और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। उन्होंने पंजाब के सभी निवासियों से जनगणना कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने और इस तकनीक-आधारित प्रक्रिया को अपनाने का आान किया। उनकी इस सक्रिय भागीदारी ने एक मजबूत उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो पूरे राज्य के लोगों को जनगणना 2027 के लिए सटीक और समय पर जानकारी प्रदान करने हेतु प्रेरित करती है।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने पंजाब के सभी निवासियों से 30 अप्रैल 2026 से 14 मई 2026 तक स्वयं-गणना सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की, ताकि एक व्यापक और विश्वसनीय राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार किया जा सके, जो प्रभावी योजना निर्माण और नीति निर्धारण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना का सटीक डेटा सुशासन की रीढ़ होता है, जो कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करता है।

स्वयं-गणना जनगणना 2027 की एक महत्वपूर्ण विशेषता है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक विवरण सुविधाजनक रूप से ऑनलाइन भर सकते हैं। यह पहल पारदर्शिता, दक्षता और डेटा की शुद्धता को बढ़ाती है तथा जनगणना कार्यों के पूर्ण डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मैनुअल प्रक्रिया पर निर्भरता को कम करती है, डेटा संग्रहण को तेज बनाती है और राष्ट्रीय डेटाबेस की समग्र एकरूपता को मजबूत करती है।

इस अवसर पर डॉ. नवजोत खोसा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जैसी सम्मानित हस्तियों की भागीदारी से जनगणना प्रक्रिया में जनता का विश्वास मजबूत होता है और समाज के व्यापक वर्ग की सहभागिता को बढ़ावा मिलता है।

23 राजस्व अधिकारी पदोन्नत किए हरदीप मुंडियां ने सौंपे पदोन्नति पत्र

चंडीगढ़। पंजाब के राजस्व मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज यहां पंजाब भवन में एक संक्षिप्त समारोह के दौरान राजस्व विभाग के 23 अधिकारियों को पदोन्नति पत्र सौंपे। पदोन्नत अधिकारियों को बधाई देते हुए राजस्व मंत्री ने कहा कि इन पदोन्नतियों से राज्य में राजस्व प्रशासन को और मजबूत बनाने में इन अधिकारियों द्वारा लंबे समय से दिए जा रहे योगदान को मान्यता मिली है। बता दें कि छह अधिकारियों को तहसीलदार से ज़िला राजस्व अधिकारी, आठ अधिकारियों को नायब तहसीलदार से तहसीलदार और नौ अधिकारियों को कानूनगो से नायब तहसीलदार के रूप में पदोन्नत किया गया है। स. हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार राज्य के कर्मचारियों की निर्धारित समय में पदोन्नति सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी पदोन्नति प्रक्रिया न केवल प्रशासनिक प्रणाली को मजबूत बनाती है, बल्कि अधिकारियों को बेहतर जनसेवाएं प्रदान करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। अतिरिक्त मुख्य सचिव-कम-वित्त आयुक्त (राजस्व) श्री अनुराग वर्मा ने पदोन्नत अधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें नई ज़िम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया।

लोक निर्माण मंत्री द्वारा सुखते रसनहेड़ी में बैच टाइप हॉट मिक्स प्लांट का किया दौरा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़ /साहिबजादा अजीत सिंह नगर

पंजाब के लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज सुखते लांडरांझचुन्नी मार्ग पर रसनहेड़ी स्थित बैच टाइप हॉट मिक्स प्लांट का दौरा किया। इस दौरान मंत्री ने प्लांट की कार्यक्षमता बढ़ाने और गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए अपनाए जा रहे तंत्र के बारे में जानकारी ली।

दौरे के संबंध में जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य में 45,000 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण के आदेश दिए गए हैं, जिसके तहत पूरे प्रदेश में सड़कों के सुधार का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने बताया कि इस मिक्सिंग प्लांट की दैनिक क्षमता लगभग 800 टन है।

यह भी बताया गया कि एक किलोमीटर प्लेन रोड (18 फीट चौड़ी) पर लगभग 450 टन प्रीमिक्स सामग्री की आवश्यकता होती है। वर्तमान में राज्य में लगभग 100 हॉट मिक्स प्लांट अपनी पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने राज्यभर के हॉट मिक्स प्लांट संचालकों से अपील की कि वे प्लांट को सुबह 5 बजे ही शुरू कर दिया करें, ताकि उत्पादन क्षमता और बढ़ाई जा सके। खाड़ी देशों में युद्ध जैसे हालातों के चलते सड़क निर्माण के लिए आवश्यक लुक (बिटुमेन) की उपलब्धता रिफाइनरियों के साथ समन्वय बनाकर सुनिश्चित की जा रही है। लोक निर्माण मंत्री ने बताया कि इस समय राज्य में सड़कों के निर्माण का कार्य तेज गति से चल रहा है, ताकि मानसून के आगमन से पहले 30 जून 2026 तक यह कार्य पूर्ण किया जा सके। कैबिनेट मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को उच्च गुणवत्ता का कार्य सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिए। इस अवसर पर विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ गगनदीप सिंह सहित चीफ इंजीनियर, एक्सियन और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

जीरकपुर में बोश डीजल सर्विस सेंटर का शुभारंभ, उन्नत ऑटोमोटिव सेवाओं का वादा

जीरकपुर। डीजल वाहनों की सर्विसिंग के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करते हुए, डीएस ऑटोमोटिव सिस्टम्स द्वारा जीरकपुर (चंडीगढ़ के नजदीक) में अत्याधुनिक बोश डीजल सर्विस सेंटर का भव्य उद्घाटन किया गया। यह सेंटर उन्नत बोश तकनीक के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली डायग्नोस्टिक्स, रिपेयर और मेंटेनेंस सेवाएं प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मोबिलिटी आफ्टरमार्केट इंडिया की रीजनल प्रेसिडेंट श्रीमती रीथी सेठी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर मार्केटिंग हेड मोबिलिटी आफ्टरमार्केटझइंडिया श्री पी.आर. प्रदीप, रीजनल मैनेजरझनॉर्थ श्री शिरीन देशपांडे, जोनल मैनेजरझचंडीगढ़ श्री नारायण सिंह तथा एरिया मैनेजरझपंजाब श्री मोहम्मद अकीब भी विशेष रूप से मौजूद रहे। नव स्थापित यह सर्विस सेंटर आधुनिक डीजल सिस्टम जैसे कॉमन रेल सिस्टम, फ्यूल इंजेक्शन पंप और इलेक्ट्रॉनिक डायग्नोस्टिक्स को संभालने में सक्षम है। प्रशिक्षित और प्रमाणित तकनीशियनों की टीम के साथ यह सेंटर ग्राहकों को सटीक, विश्वसनीय और त्वरित सेवाएं प्रदान करेगा। इस अवसर पर डीएस ऑटोमोटिव सिस्टम्स के प्रबंधन ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को जेनुइन स्पेयर पार्ट्स, पारदर्शी सेवा प्रक्रिया और ग्राहक-केंद्रित समाधान प्रदान कर उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है।

वीवो इंडिया ने वीवो इग्नाइट के चौथे संस्करण की घोषणा की

चंडीगढ़। वीवो इंडिया ने अपनी अग्रणी शिक्षा योजना - वीवो इग्नाइटः तकनीक और नवाचार की पहल - के चौथे संस्करण की घोषणा की। 8वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए बनाया गया यह राष्ट्रीय शिक्षा कार्यक्रम, युवा नवचारकों को आगे बढ़ाने और अगली पीठी के तकनीकी प्रणेताओं को तराशने के लक्ष्य के साथ आयोजित किया जाता है। यह कार्यक्रम छात्रों को अपने विचारों को अर्थपूर्ण समाधानों में तब्दील करने और भारत के भवष्य के लिए महत्वपूर्ण, वैश्विक चुनौतियां का समाधान खोजने का अवसर देता है। इस चौथे संस्करण में छात्र प्रोटोटाइप श्रेणी में व्यक्तिगत रूप से या 3 सदस्यों के समूह में भाग ले सकते हैं, जिसमें कई तरह की थीम दी गई है जैसे कि - सामाजिक विकास के नवाचार, सॉफ्ट-टेक नवाचार, टेक्नोलॉजी, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन, अन्य श्रेणियां जहां तकनीक का इस्तेमाल सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स प्राप्त करने के लिए किया गया हो। इस घोषणा के अवसर पर वीवो इंडिया के चीफ कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस ऑफिसर गीताज चन्नाना बताया कि साल दर साल हम वीवो इग्नाइट को नए पायदान पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। हमें यह देखकर बेहद खुशी होती है कि आज के युवा तकनीक के क्षेत्र में कितनी संभावनाएं लेकर चलते हैं। उनका समर्पण और दृष्टिकोण ही वीवो इग्नाइट को आगे बढ़ाता है और एक बेहतर भविष्य के लिए तकनीक आधारित समाधान को मंच देने के हमारे समर्पण को मजबूती प्रदान करता है।

अवीवा ने लॉन्च किया अवीवा सिक्योर नेस्ट एन्युटी प्लान

चंडीगढ़। अवीवा इंडिया ने अवीवा सिक्योर नेस्ट एन्युटी प्लान लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक रिटायरमेंट सॉल्यूशन है, जिसमें ग्राहकों को एक सिंगल प्रीमियम के भुगतान के बाद जीवनभर रेगुलर इनकम पाने का मौका मिलेगा। इस प्लान में 80 साल की उम्र तक निवेश किया जा सकता है, जिससे रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे लोगों के लिए यह एक सुगम विकल्प बनकर सामने आएगा। अवीवा सिक्योर नेस्ट एन्युटी प्लान में अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से कई तरह के एन्युटी विकल्प मिलते हैं। इनमें सिंगल लाइफ एवं जॉइंट लाइफ कवरेज, फ्लेक्सिबल पेआउट फ्रिक्वेंसी के साथ जीवनभर के लिए गारंटीड इनकम और नॉमिनी की सुरक्षा के लिए रिटर्न ऑफ परचेज प्राइस जैसे फीचर शामिल हैं। यह पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) के नियमों के अनुरूप भी है। इससे यह नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) सब्सक्राइबर्स के लिए भी प्रासंगिक विकल्प है। फ्लेक्सिबिलिटी (लचीलापन), कम्प्लायंस (अनुपालन) और फैमिली प्रोटेक्शन को साथ लाते हुए अवीवा सिक्योर नेस्ट एन्युटी प्लान लंबी अवधि में वित्तीय सुरक्षा का व्यावहारिक समाधान बनकर सामने आया है। इस लॉन्चिंग को लेकर अवीवा इंडिया के एमडी एवं सीईओ श्री असित रथ ने कहा कि रिटायरमेंट एक ऐसा पड़ाव है, जिसकी पहचान सुरक्षा और सम्मान के रूप में होनी चाहिए।

सीयू पंजाब ने सामुदायिक संवाद कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और नशा-मुक्ति के प्रति किया जागरूक

सिटी दर्पण संवाददाता
बठिंडा

ग्रामीण युवाओं को रोजगारोन्मुखी शैक्षिक अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू पंजाब) ने कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रासाफ तिवारी के नेतृत्व में एक विशेष सामुदायिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने कौशल को उन्नत करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में 10 गांवों से लगभग 100 लोगों ने भाग लिया, जिनमें सरपंच, स्थानीय युवा और समुदाय के सदस्य शामिल थे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए छह नए एनसीवीईटी अनुमोदित कौशल विकास पाठ्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाना था। इन पाठ्यक्रमों में असिस्टेंट प्लंबरझजनरल; हेल्पर इलेक्ट्रीशियन; फंडामेंटल्स ऑफ कंप्यूटर्स;टैली ऑपरेशन एवं जीएसटी कैलकुलेशन का परिचय; बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट; तथा रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग की मूलभूत जानकारी जैसे कोर्स शामिल हैं। विश्वविद्यालय अधिकारियों ने बताया कि ये पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन युवाओं के लिए तैयार किए गए हैं जिन्होंने 8वीं, 9वीं, 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण की है तथा जिनके पास संबंधित अनुभव है और जो अपने कौशल एवं रोजगार क्षमता को और बेहतर बनाना चाहते हैं। पात्रता, पाठ्यक्रम और प्रवेश से जुड़ी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध प्रॉस्पेक्टस में देखी जा सकती है।

सभा को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा के अंतर्गत प्रारंभ किए गए तथा भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) द्वारा अनुमोदित इन छह रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा देश को आगे बढ़ा सकती है और विश्वविद्यालयों को सिर्फ डिग्री देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जो युवा आगे की पढ़ाई नहीं कर सके, उनके लिए रोजगार से जुड़े कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करना जरूरी है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और देश के विकास

में योगदान दे सकें। उन्होंने युवाओं और समुदाय से कौशल विकास एवं सकारात्मक सहभागिता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु मिलकर कार्य करने का आान किया।

वहीं, समकुलपति प्रो. किरण हजारिका ने कहा कि ये पाठ्यक्रम युवाओं को बिजली, प्लंबिंग, कंप्यूटर, अकाउंटिंग, स्वास्थ्य सेवा और तकनीकी क्षेत्रों में व्यावहारिक कौशल प्रदान करेंगे, जिससे उन्हें रोजगार, उद्यमिता और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

कुलसचिव डॉ. विजय शर्मा ने बताया कि ये पाठ्यक्रम आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप युवाओं में रोजगार क्षमता, आत्मनिर्भरता और व्यावसायिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों को आसान पात्रता, किफायती शुल्क और व्यापक प्रायोगिक प्रशिक्षण के साथ तैयार किया गया है, ताकि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम के अंत में वित्त अधिकारी डॉ. राजकुमार शर्मा ने वंचित समुदायों के अधिकतम युवाओं तक इन परिवर्तनकारी अवसरों की जानकारी पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रो. संजीव ठाकुर, डॉ. संजीव मंडेर एवं विश्वविद्यालय चिकित्सा अधिकारी डॉ. आकाश प्रकाश ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा प्रतिभागियों को नशा मुक्ति और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने वाली विश्वविद्यालय की व्यापक सामुदायिक पहलों के प्रति जागरूक किया। गांवों के सरपंचों और स्थानीय निवासियों ने ग्रामीण समुदायों में सुलभ करियर उन्मुख अवसरों के प्रति जागरूकता फैलाने तथा नशा मुक्ति के लिए विश्वविद्यालय की सक्रिय सामुदायिक पहल की सराहना की।

देश के तीन राज्यों में पसरा मातम, अलग-अलग घटनाओं और हादसों में 8 लोगों की दर्दनाक मौत

मुजफ्फरपुर में मां और दो बच्चों की गला घोंटकर हत्या

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली/पटना/रायपुर

28 अप्रैल का दिन देश के लिए बेहद दुखद रहा। बिहार, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में हुई तीन अलग-अलग हृदयविदारक घटनाओं ने कुल 8 लोगों की जान ले ली। जहां बिहार में पारिवारिक रंजिश ने एक मां और उसके दो बच्चों को मौत की नींद सुला दिया, वहीं छत्तीसगढ़ और दिल्ली की सड़कों पर अनियंत्रित वाहनों ने खुशियों को मातम में बदल दिया।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के पानापुर करियात थाना क्षेत्र में हुई इस वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया है। शाहबाजपुर मठ के पास एक घर में 30 वर्षीय रीता देवी और उनके दो मासूम बच्चों–वैष्णवी (2) और कन्हैया (3 माह)–की निर्मम हत्या कर दी गई। मृतका के पति मिठाई लाल शाह सोमवार रात बारात से लौटकर घर पहुंचे, तो मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। अंदर का मंजर रूह कंपाने वाला था; पत्नी और दोनों बच्चों के शव बेड पर पड़े थे और पास में ही हत्या में इस्तेमाल की गई रस्सी मिली। परिजनों का आरोप है कि गांव के कुछ लोगों के साथ जमीन को लेकर चल रहे पुराने विवाद के चलते इस तिहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। डीएसपी (पश्चिमी) सुचित्रा कुमारी ने घटनास्थल का जायजा लिया है। फॉरेंसिक टीम साक्ष्य जुटा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान के लिए जांच तेज कर दी गई है।

कोरबा में शादी से लौटते परिवार के 3 की मौत, 3 घायल

छत्तीसगढ़ के कोरबा में चांपा-फरसवनी मार्ग पर हुआ एक सड़क हादसा एक पूरे परिवार के लिए काल बनकर आया। शादी समारोह से लौट रहे सोनी परिवार की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक हाइवा वाहन से जा टकराई। इस भीषण हादसे में मोंगरा सोनी (45), देवेंद्र सोनी (22) और ढाई साल के मासूम प्रियांश की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। देर रात हुई इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कार में सवार तीन अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज न्यू कोरबा अस्पताल में चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजधानी दिल्ली के संसद मार्ग थाना क्षेत्र में एक हिट-एंड-रन मामला सामने आया है, जिसने दो घरों के चिराग बुझा दिए। अशोक नगर के रहने वाले यज्ञ भाटिया (20) और अभव भाटिया (14) आईपीएल मैच देखकर अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। अशोका रोड स्थित पीएनबी कॉम्प्लेक्स के सामने एक तेज रफ्तार मालवाहक वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भाई सड़क पर अचेत गिर पड़े।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डीसीपी (नई दिल्ली) सचिन शर्मा ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मालवाहक वाहन की तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ईरान के विदेशमंत्री अराघची 48 घंटे में तीसरी बार पहुंचे पाकिस्तान

रूस भी मध्यस्थता को तैयार

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान/मास्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से 27 अप्रैल को मुलाकात करने के बाद ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान पहुंचे हैं। ईरान ने अमेरिका के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पर चल रहे टकराव के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। पुतिन ने कहा कि रूस मध्य पूर्व में जल्द से जल्द शांति सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने को तैयार है।

ईरान के प्रेस टीवी और रूस की समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची के पाकिस्तान पहुंचने के बाद अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म होने को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। दोनों देशों के बीच पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। वह ईरान-अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत को आगे बढ़ाने में सक्रिय है। अराघची मंगलवार को रूस दौरे के बाद एक बार फिर 48 घंटे में तीसरी बार पाकिस्तान पहुंचे हैं। इससे

फोटोः हि.स.

पहले अराघची रविवार रात पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख मुनीर से मिलने के बाद इस्लामाबाद से सीधे रूस रवाना हुए थे। उन्होंने कल सेंट पीटर्सबर्ग में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब डेढ़ घंटे बैठक हुई। ईरान के विदेशमंत्री ने कहा कि बैठक में युद्ध और आक्रमकता से जुड़े मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने ईरान-रूस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी बताया और संकट के दौरान रूस के समर्थन के लिए आभार जताया। पुतिन ने भी पश्चिम एशिया में शांति बहाली के प्रयासों का समर्थन करने की बात कही और उम्मीद जताई कि जल्द ही क्षेत्र में स्थिरता लौटेगी। उन्होंने कहा कि रूस ईरान के हितों को आगे बढ़ाएगा। पुतिन ने अराघची से मुलाकात में कहा कि रूस मध्य पूर्व में शांति सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने को तैयार है। रूसी नेता ने कहा कि ईरानी लोग अपनी संप्रभुता के लिए साहस और वीरता के साथ लड़ रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान मुश्किलों और चुनौतियों से इस दौर से पार पा लेगा और वहां शांति स्थापित होगी। अराघची ने इस्लामिक गणराज्य को दिए गए समर्थन के लिए पुतिन और रूस का आभार व्यक्त किया।

रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा कि रूस मध्य पूर्व में पक्की शांति स्थापित करने के लिए मध्यस्थता करने को तैयार है। उन्होंने भरोसा जताया कि समय के साथ यूक्रेन के मसले भी और तेज होंगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ लड़ाई-झगड़ा ईरान के हित में नहीं है। यह लड़ाई होर्मुज जलडमरूमध्य के देशों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि रूस ने ईरान को लेकर बातचीत करना एक जटिल प्रक्रिया है। पेस्कोव ने कहा कि अमेरिका अभी भी यूक्रेन विवाद को सुलझाने के प्रयासों में शामिल है, लेकिन उनके लिए ईरान से जुड़ी स्थिति का समाधान करना बड़ी प्राथमिकता है।

बांग्लादेश के दो और हज यात्रियों की सऊदी अरब में मौत, अब तक छह की जान गई

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

फोटोः हि.स.

सऊदी अरब में बांग्लादेश के दो और हज यात्रियों की मौत हो गई। हज बुलेटिन के अनुसार 17 अप्रैल को हज उड़ानें शुरू होने से 27 अप्रैल तक सऊदी अरब में बांग्लादेश के छह हज यात्रियों की जान जा चुकी है। सोमवार तक 92 उड़ानों से बांग्लादेश के कुल 36,996 यात्री सऊदी अरब पहुंचे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार हज यात्रियों की मौत की सूचना बुलेटिन में दी गई है। इसमें जानकारी दी गई है कि अब तक 3,284 यात्री सरकारी व्यवस्था के तहत सऊदी अरब पहुंचे हैं। 33,712 यात्री निजी एजेंसियों के माध्यम से गए हैं। अब तक 40 उड़ानें बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस, 34 सऊदी एयरलाइंस और 18 फ्लाईनास ने संचालित की हैं। बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस ने 16,587, सऊदी एयरलाइंस ने 12,860 और फ्लाईनास ने 7,549 यात्रियों को सऊदी अरब पहुंचाया है। हज बुलेटिन ने इस बात की भी पुष्टि की कि सभी छह यात्रियों की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है।

सरकारी प्रवक्ता के अनुसार इस साल बांग्लादेश से कुल 78,500 लोगों को हज करने की अनुमति दी गई है। 660 एजेंसियां निजी प्रबंधन के तहत हज से जुड़े कामों को संभाल रही हैं। इनमें 30 मुख्य एजेंसियां हैं। ढाका स्थित सऊदी दूतावास 78,297 वीजा जारी कर चुका है। चांद दिखने के आधार पर सऊदी अरब में पवित्र हज 26 मई को होने की उम्मीद है।

नेपाल में नया शैक्षणिक सत्र शुरू, सरकार ने तय शुल्क के अलावा अन्य शुल्क वापस करने का निर्देश दिया

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल में से नया शैक्षणिक सत्र आधिकारिक रूप से शुरू हो गया। अब स्कूल स्तर का शैक्षणिक सत्र हर वर्ष नेपाली कैलेंडर के अनुसार बैशाख 15 (28 अप्रैल) से शुरू होगा। इससे पहले शैक्षणिक सत्र बैशाख 2 (15 अप्रैल) से शुरू होता रहा है। हालांकि, वार्षिक परीक्षाएं पूरी होने से पहले निजी स्कूलों द्वारा प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की प्रवृत्ति को रोकने तथा ईंधन आपूर्ति में व्यवधान जैसी प्रशासनिक और लॉजिस्टिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने तिथि में बदलाव किया था।

फोटोः हि.स.

सरकार ने निजी स्कूलों को अवैध रूप से वसूली गई प्रवेश शुल्क और अन्य शुल्क वापस करने का निर्देश भी जारी किया है। शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने संबंधित सभी स्थानीय सरकारों से नियमों के विपरीत ली गई प्रवेश शुल्क तथा संस्थागत विद्यालय शुल्क निर्धारण मापदंड निर्देशिका में निर्धारित नहीं किए गए अन्य शुल्कों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया था। इसी बीच, उच्चतम न्यायालय ने भी अंतरिम आदेश जारी करते हुए स्कूलों को वार्षिक परीक्षा समाप्त होने, परिणाम प्रकाशित होने और अंकपत्र सहित आवश्यक शैक्षणिक प्रमाणपत्र जारी होने से पहले प्रवेश सूचना प्रकाशित नहीं करने का निर्देश दिया है। यह आदेश शिक्षा नियमावली के तहत दिया गया। न्यायमूर्ति बालकृष्ण ढकाल की एकल पीठ ने आदेश दिया कि शिक्षा नियमावली के अनुरूप शैक्षणिक सत्र आधिकारिक रूप से शुरू होने के बाद ही छात्र का प्रवेश लिया जाए। अदालत ने परीक्षा परिणाम, शैक्षणिक कैलेंडर और प्रमाणपत्र वितरण के बीच समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही संबंधित निकायों को मौजूदा कानूनों के अनुसार कार्रवाई करने और प्रतिवादियों को 15 दिनों के भीतर लिखित जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

नेपाल के वामपंथी छात्र संगठनों ने शंख घोष और स्वस्ति वाचन के साथ किया विरोध प्रदर्शन

काठमांडू। नेपाल के वामपंथी छात्र संगठनों ने सुबह पाटन बहुमुखी कैंपस में पूजा पाठ, शंख घोषण और शांति स्वस्ति वाचन के साथ नई सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। बालेंद्र सरकार ने छात्रसंघों को भंग करने का फैसला किया है। छात्र इसका लगातार विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं ने सरकार के निर्णय को अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि यदि छात्र संगठनों को खत्म करने का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो वे देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। यही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने सरकार के हालिया सीमा शुल्क फैसले का भी विरोध किया।

उन्होंने मांग की कि भारत से 100 रुपये से अधिक मूल्य का सामान लाने पर लगाए गए अनिवार्य कस्टम शुल्क को वापस लिया जाए। छात्रों ने बढ़ती महंगाई पर भी सरकार को घेरा और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने की मांग की। संयुक्त छात्र संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया, तो विरोध प्रदर्शन को और तेज किया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

शुरूआती कारोबार में हरे निशान में पहुंचे सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार शुरूआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवर करता हुआ नजर आ रहा है। के कारोबार की शुरूआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक पहले 10 मिनट के कारोबार में ही रिकवर कर हरे निशान में पहुंच गए। इसके बाद बाजार में कुछ देर तक उतार चढ़ाव भी होता रहा, लेकिन थोड़ी देर में ही खरीदारों ने अपना जोर बना दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सन फार्मास्युटिकल्स, जियो फाइनेंशियल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो और टेक महिंद्रा के शेयर 6.98 प्रतिशत से लेकर 2.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, एक्सिस बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 3.62 प्रतिशत से लेकर 0.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,624 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,637 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 987 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स 208.84 अंक की गिरावट के साथ 77,094.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे कुछ देर में ही यह सूचकांक उछल कर हरे निशान में 77,335.37 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिससे कुछ देर तक इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 120.65 अंक की मजबूती के साथ 77,424.28 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। जबकि एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी स्टॉक मार्केट पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 62.67 अंक यानी 0.13 प्रतिशत गिर कर 49,168.04 अंक के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,173.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,887.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.15 प्रतिशत उछल कर 49,243.41 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,321.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत टूट कर 8,141.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,083.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,905.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 145.56 यानी 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,762.19 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.04 प्रतिशत उछल कर 6,684.29 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,481.58 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

सर्राफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में शुरूआती कारोबार के दौरान कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है। सोना 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.29 प्रतिशत गिर कर 4,669.61 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75.91 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,53,850 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भोजशाला विवाद: हाई कोर्ट में एएसआई की भूमिका पर उठे सवाल

एजेंसी (हि.स.)
इंदौर

मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला विवाद मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में नियमित सुनवाई सोमवार को जारी रही। इस दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की भूमिका पर सवाल उठाए गए। एएसआई ने 1998 में पेश जवाब में कहा था कि भोजशाला मंदिर है या मस्जिद इस बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता और अब वही एएसआई भोजशाला को मंदिर बता रहा है।

मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ में मंगलवार को भोजशाला मामले में हस्तक्षेपकर्ता काजी जकुल्ला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन ने तर्क रखे। लगभग दो घंटे चली सुनवाई के दौरान उन्होंने शोभा मेनन ने सरकार और एएसआई की रिपोर्ट पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे संदेहास्पद बताया।

इंटरवीनर पक्ष का दावा-सर्वे रिपोर्ट संदेहास्पद

वरिष्ठ अभिभाषक मेनन ने इस मामले में याचिका दायर करने वाले हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और कुलदीप तिवारी की ओर से पेश की गई दोनों याचिकाओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस को लेकर कहा कि ये ट्रस्ट 2021 में अस्तित्व में आया और वर्ष 2022 में उसने भोजशाला को लेकर जनहित याचिका दायर कर दी। इसी तरह याचिकाकर्ता तिवारी ने याचिका में खुद को सामाजिक कार्यकर्ता बताया है लेकिन उन्होंने क्या समाजसेवा की है, उसके बारे में कोई जानकारी कोर्ट में नहीं रखी। मेनन ने अदालत में कहा कि यह मामला जनहित याचिका नहीं, बल्कि टाइटल सूट (स्वामित्व विवाद) का है, जिसकी सुनवाई सिविल कोर्ट में ही होनी चाहिए। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकताओं ने आर्टिकल 226 के तहत जनहित याचिका दायर की है, जबकि यह स्पष्ट

फोटोः हि.स.

रूप से दीवानी का मामला है। ऐसे में उच्च न्यायालय को इस पर भारी कॉस्ट लगानी चाहिए। मेनन ने यह भी कहा कि याचिकाकताओं ने अपनी वास्तविक पेशे की जानकारी छिपाकर खुद को समाजसेवी बताया। पहले इसी तरह की याचिका (1997) सिविल सूट दायर करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ली गई थी। इसके बावजूद तक सिविल कोर्ट में कोई वाद दायर नहीं किया गया। वर्तमान याचिका विलंब से दायर की गई है और नियमों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने दोनों याचिकाओं को निरस्त करने की मांग की।

सुनवाई के दौरान मेनन ने एएसआई और सरकार के अलग-अलग समय पर दिए गए बयानों में विरोधाभास को बताया। उन्होंने कहा कि पहले विवादित स्थल को न मंदिर, न मस्जिद बताया गया। अब एएसआई इसे केवल मंदिर बता रही है। इससे सरकार की भूमिका संदेहास्पद प्रतीत होती है और याचिकाकताओं को समर्थन मिलने का संकेत मिलता है। एएसआई की ओर से एडवोकेट सुनील जैन ने कोर्ट को बताया कि भोजशाला सर्वे की वीडियो फुटेज सील्ड हार्ड ड्राइव में हाईकोर्ट में पेश कर दी गई है। साथ ही यह जानकारी भी दी गई कि सर्वे की वीडियो ईआरपी सिस्टम पर अपलोड कर दी गई है, जिससे प्रतिवादी कमाल मौला मस्जिद वेलफेयर सोसायटी को देखने की सुविधा दी गई है। मामले में इंटरवीनर पक्ष की ओर से शोभा मेनन अपनी दलीलें आगे भी रखेंगी। अगली सुनवाई 28 अप्रैल को है। दरअसल, भोजशाला को लेकर हाई कोर्ट में चार जनहित याचिकाएं और एक अपील पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सुनवाई चल रही है। धार निवासी काजी जकुल्ला ने भोजशाला मामले में चल रही दो जनहित याचिकाओं में हस्तक्षेपकर्ता के तौर पर याचिका दायर की है।

ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ ईरान के नए प्रस्ताव पर की चर्चा, हॉर्मुज और परमाणु मुद्दा केंद्र में

एजेंसी (हि.स.)
वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने से जुड़े एक नए प्रस्ताव पर अपने शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ चर्चा की। यह जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान दी। लेविट ने बताया कि प्रस्ताव में हॉर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बाद में बातचीत करने का सुझाव शामिल है। हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव पर प्रशासन की कोई स्पष्ट राय देने से इनकार किया और कहा कि इस पर अभी केवल प्रारंभिक चर्चा हुई है।

उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहूंगी कि इस पर विचार किया जा रहा है। बस इतना कह सकती हूं कि सुबह इस विषय पर चर्चा हुई है। इस पर अंतिम टिप्पणी राष्ट्रपति स्वयं करेंगे। लेविट के मुताबिक, ट्रम्प की प्राथमिक मांगें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। इनमें हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तेल परिवहन को सुचारु रूप से बहाल करना और ईरान द्वारा अपने संवर्धित यूरेनियम को सौंपना शामिल है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में सामने आया है जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है, जहां किसी भी तरह की बाधा का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह प्रस्ताव औपचारिक वार्ता का हिस्सा बनेगा या नहीं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस पर और स्पष्टता सामने आ सकती है, जब राष्ट्रपति स्वयं इस मुद्दे पर अपना रुख सार्वजनिक करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार उछाल, 110 डॉलर के करीब पहुंचा ब्रेंट क्रूड

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए ईरान द्वारा नए प्रस्ताव दिए जाने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल कच्चे तेल की कीमत में कोई राहत के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के पार जा पहुंचा। हालांकि बाद में कच्चे तेल की कीमत में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई।

ब्रेंट क्रूड तेजी दिखाते हुए 108 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 109.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। कुछ देर बाद इसकी चाल में गिरावट भी आई, जिसके कारण ब्रेंट लुढ़क कर 107.98 तक भी गिर गया। इसके बाद इसके भाव में दोबारा तेजी का रुख बनने लगा। भारतीय समय के अनुसार सुबह नौ बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 109.20 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह

फोटोः हि.स.

डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 96.62 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 96.24 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 97.55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार सुबह नौ बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.95 प्रतिशत की उछाल के साथ 97.29 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्ता के टल जाने और होर्मुज स्ट्रेट के मसले पर दोनों देशों के आमने सामने आ जाने की वजह से इस प्रमुख समुद्री रास्ते के जरिये होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई अभी भी लगभग ठप पड़ी हुई है।

नया मुकाम हासिल | 13 करोड़ के पार पहुंची एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या

40 प्रतिशत इन्वेस्टर 30 साल से कम उम्र के

एनएसई के हर चार इन्वेस्टर में से एक महिला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या के मामले में नया मुकाम हासिल कर लिया है। एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 13 करोड़ के पार पहुंच गई है। एनएसई ने सोमवार यानी 27 अप्रैल के कारोबारी सत्र के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इसके पहले सितंबर 2025 में एनएसई पर रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 12 करोड़ के स्तर पर पहुंची थी। इस तरह सिर्फ सात महीने की अवधि में ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से एक करोड़ नए रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स जुड़ गए।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एनएसई से जुड़े रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स में महिलाओं की संख्या में भी

फोटोः हि.स.

जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। एनएसई के हर चार रजिस्टर्ड इन्वेस्टर में एक महिला है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के इन्वेस्टर्स की औसत आयु भी अब घट कर 33 साल हो गई है। इसके पहले साल 2021 में एनएसई के निवेशकों की औसत आयु 36 साल थी। स्टॉक एक्सचेंज के रिकॉर्ड के मुताबिक इसके निवेशकों में लगभग 40 प्रतिशत संख्या 30 साल से कम उम्र के निवेशकों की है। आपको बता दें कि पिछले कुछ सालों में स्टॉक मार्केट के इन्वेस्टर्स की संख्या में बढ़ोतरी की रफ्तार काफी तेज हो गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के इन्वेस्टर्स की संख्या एक करोड़ के स्तर तक पहुंचने में 14 साल की अवधि लगी थी। इसके बाद इन्वेस्टर्स की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी। एक करोड़ इन्वेस्टर की संख्या पूरी करने के बाद अगले 11 साल में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या चार करोड़ तक पहुंच गई। इसके बाद पिछले कुछ साल से स्टॉक एक्सचेंज से औसतन छह से आठ महीने की अवधि में ही एक करोड़ नए इन्वेस्टर जुड़ रहे हैं। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26 तक की पांच साल की अवधि में रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या 26.4 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी। इससे पहले के पांच साल की अवधि के दौरान ये दर 15.2 प्रतिशत थी। इसी अवधि के में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 18 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ कर 460.6 लाख करोड़ रुपये हो गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार देश के ज्यादातर हिस्सों के लोग रजिस्टर्ड इन्वेस्टर के रूप में एनएसई से जुड़ चुके हैं। फिलहाल देश के 99.85 प्रतिशत पिन कोड (पोस्टल एरिया) में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर मौजूद हैं। मतलब देश के हर जिले में तो में एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स हैं ही, देश के ज्यादातर प्रखंडों तक एनएसई के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स पहुंच गए हैं।

भुवनेश्वर बने पर्पल कैप के नए लीडर, कोहली ऑरेंज कैप रेस में चौथे स्थान पर पहुंचे

ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को महज 75 रनों पर समेटते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। इस मैच के बाद पर्पल कैप और ऑरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में सिर्फ 5 रन देकर 3 विकेट झटके। खास बात यह रही कि उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए। इस प्रदर्शन के दम पर भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की रेस में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उनके कुल 14 विकेट हैं और 16.85 का औसत उन्हें अंशुल कंबोज (16.92) और ईशान मलिंगा (18.21) से आगे ले जाता है। वहीं, आरसीबी के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने एक विकेट लेकर टॉप-10 में एंट्री कर ली है। उनके अब 9 विकेट हैं, जो कार्तिक त्यागी, जेमी ओवरटन और वैभव अरोड़ा के बराबर हैं, लेकिन बेहतर औसत (26.55) के कारण वह उनसे आगे हैं। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने भी घातक गेंदबाजी करते हुए 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने पावरप्ले में तीन विकेट लेकर दिल्ली को 13/6 के रिकॉर्ड न्यूनतम स्कोर पर पहुंचा दिया। अब उनके कुल 8 विकेट हो गए हैं और वह विकेट लेने वालों की सूची में 14वें स्थान पर हैं। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस मैच में नाबाद 23 रन बनाए और इसी के साथ आईपीएल में अपने 9000 रन पूरे कर लिए। इस पारी के बाद कोहली ऑरेंज कैप की रेस में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके अब 351 रन हैं और उनका औसत 58.50 का है।

फोटोः हि.स.

कोहली से आगे वैभव सूर्यवंशी हैं, जिनके 357 रन हैं, जबकि केएल राहुल 358 रन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। राहुल ने इस मैच में 1 रन बनाया, लेकिन इतना भी उन्हें एक स्थान ऊपर ले जाने के लिए काफी रहा। ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा बने हुए हैं, जिनके नाम 380 रन हैं और उनका औसत 54.28 का है। दूसरी ओर, आरसीबी इस जीत के बाद अंक तालिका में अपनी स्थिति को काफी मजबूत कर चुकी है। टीम का नेट रन रेट भी इस बड़ी जीत के बाद काफी बेहतर हुआ है, जो टूर्नामेंट के अंतिम चरणों में काम आता है।

विराट कोहली के साथ-साथ टीम के अन्य बल्लेबाजों ने भी जिस तरह से छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए परिपक्वता दिखाई, वह यह दशार्ता है कि आरसीबी इस बार खिताब की प्रबल दावेदार है। आईपीएल 2026 अब अपने उस पड़ाव पर है जहाँ हर मैच के परिणाम से अंक तालिका की तस्वीर बदल रही है। एक तरफ जहाँ भुवनेश्वर कुमार और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से सुर्खियों में हैं, वहीं युवा खिलाड़ियों का लगातार बेहतर प्रदर्शन टूर्नामेंट को रोमांचक बनाए हुए है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट को मिला नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पूर्व तेज गेंदबाज ज्योफ अलॉट संभालेंगे जिम्मेदारी

एजेंसी (हि.स.)
वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज ज्योफ अलॉट को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पिछले वर्ष स्कॉट वीनिंक के इस्तीफे के बाद की गई है। 54 वर्षीय अलॉट ने 1996 से 2000 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 10 टेस्ट और 31 एकदिवसीय मैच खेले। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन 1999 के एकदिवसीय विश्व कप में रहा, जहां उन्होंने 9 मैचों में 20 विकेट लेकर प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज शेन वॉर्न के साथ हासिल की, हालांकि अलॉट ने एक मैच कम खेला था।

खेल करियर समाप्त होने के बाद अलॉट ने क्रिकेट प्रशासन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह 2002 में न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के संस्थापक सदस्य रहे। इसके बाद 2008 से 2010 तक उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट में क्रिकेट महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने कैंटरबरी क्रिकेट के बोर्ड में तीन वर्षों तक सेवा दी और 2013 से 2021 तक न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड में निदेशक के रूप में आठ वर्षों का कार्यकाल पूरा किया। उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2022 में उन्हें आजीवन सदस्यता से सम्मानित किया गया।

चुनौतीपूर्ण दौर में मिली जिम्मेदारी

अलॉट को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में सौंपी गई है जब न्यूजीलैंड क्रिकेट आंतरिक मतभेदों के दौर से गुजर रहा है। पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्कॉट वीनिंक ने खेल की दीर्घकालिक दिशा को लेकर प्रांतीय संघों और खिलाड़ी संघ के साथ मतभेदों के कारण पद छोड़ा था। विवाद का प्रमुख कारण वर्ष 2027 तक सुपर स्मैश प्रतियोगिता की जगह निजी स्वामित्व वाली एनजेड20 लीग शुरू करने का प्रस्ताव था। अलॉट ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा कि वह संगठन के सभी पक्षों–बोर्ड, खिलाड़ियों, कर्मचारियों, सदस्य संघों और व्यावसायिक साझेदारों–के साथ मिलकर काम करने और मजबूत संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका लक्ष्य न्यूजीलैंड क्रिकेट को हर स्तर पर प्रतिस्पर्धी, टिकाऊ और सफल बनाना है। वहीं, न्यूजीलैंड क्रिकेट की अध्यक्ष डायना पुकटापू-लिंडन ने अलॉट को इस पद के लिए सर्वाधिक योग्य बताते हुए कहा कि उनका खेल अनुभव, संस्थागत समझ और व्यावसायिक नेतृत्व संगठन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ज्योफ अलॉट एक जुलाई से अपने नए पद का कार्यभार संभालेंगे।

फोटोः हि.स.

दक्षिण अफ्रीका से टी20 श्रृंखला में 1-4 से हार के बावजूद भारत ने काफी कुछ सीखा: मजूमदार

एजेंसी (हि.स.)
बेनोनी

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1-4 की निराशाजनक हार के बावजूद उनकी टीम को इस दौरे से काफी कुछ सीखने को मिला है। भारत ने पहले तीन मैच गंवाने के बाद चौथा मैच जीता लेकिन वह सोमवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 में 23 रन से हार गया।

इस चुनौतीपूर्ण श्रृंखला के समाप्त होने के बाद मजूमदार ने कहा, मुझे लगता है कि यह शानदार श्रृंखला रही, जिसमें दोनों टीम के बीच अच्छा मुकाबला हुआ। शुरूआत से ही मुकाबला कड़ा था और दक्षिण अफ्रीका में आकर खेलना बहुत अच्छा रहा। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा। 4-1 के परिणाम से हम थोड़े निराश हैं, लेकिन हमने इस श्रृंखला से बहुत कुछ सीखा है। मैचों में ऋचा (घोष) का अच्छा प्रदर्शन और दीप्ति (शर्मा) की फॉर्म में वापसी भी हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहे।

फोटोः हि.स.

पाना, दो ऐसे क्षेत्र थे, जिनमें टीम शुरू में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। उन्होंने कहा, शुरूआत में पावरप्ले में हम विकेट नहीं ले पा रहे थे। यह हमारे लिए चिंता का विषय था और साथ ही बल्लेबाजी में फिनिशिंग भी। लेकिन हमने पिछले तीन मैचों में इन कमियों को दूर कर लिया है। भारतीय कोच ने ने कुछ खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन को टीम के लिए सकारात्मक पहलू माना। इनमें कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन भी शामिल है।

उन्होंने कहा, सबसे पहले तो हरमन का फॉर्म शानदार रहा है, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रही हैं और उनकी कार्यशैली भी लाजवाब है। पिछले कुछ के बावजूद सिंधु मैच को अपने नाम नहीं कर सकीं और 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं। इस हार से चीन ने 1-0 की बढ़त बना ली। पहले युगल मुकाबले में प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी को विश्व नंबर-1 लियू शेंग शू और तान निंग के खिलाफ 11-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दूसरे एकल में इशारानी बरुआह ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई को कड़ी टक्कर दी, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर चूक के कारण 22-20, 21-13 से हार गईं, जिससे चीन ने 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। दूसरे युगल में ट्रीसा जॉली और कविप्रिया सेल्वम ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन लुओ शू मिन और झांग शू शियान की जोड़ी के खिलाफ 10-21, 21-12, 19-21 से हार गईं। तीसरे एकल में देविका सिहाग ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन लय बरकरार नहीं रख सकीं और शू वेन जिंग के खिलाफ 21-19, 17-21, 10-21 से हार गईं। अब सभी की नजरें भारतीय पुरुष टीम पर होंगी, जो बुधवार को थॉमस कप में चीन से भिड़ेगी। भारत, जो 2022 का चैंपियन है, ने ग्रुप ए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। भारत और चीन दोनों ग्रुप में शीर्ष स्थान पर हैं और बुधवार को होने वाला मुकाबला ग्रुप विजेता का फैसला करेगा।

उबर कप फाइनल्स: भारत को चीन से 0-5 की करारी हार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

डेनमार्क के हॉर्सेंस में खेले जा रहे उबर कप फाइनल्स में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का अभियान चीन के खिलाफ 0-5 की हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मजबूत स्थिति के बावजूद मैच गंवा दिया, जिससे भारत के लिए वापसी के रास्ते बंद हो गए।

भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरूआत मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद यूक्रेन को 4-1 से हराकर उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 16 बार की चैंपियन चीन के खिलाफ टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

पहले एकल मुकाबले में पीवी सिंधु ने दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी वांग झी यी के खिलाफ शानदार शुरूआत की। निर्णायक गेम में 18-12 की बढ़त लेने

फोटोः हि.स.

मैड्रिड ओपन 2026: राइबाकिना टूर्नामेंट से बाहर ज्वेरेव ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड

मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना राइबाकिना को चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, पुरुष वर्ग में जर्मनी के स्टार खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में जगह बना ली। विश्व नंबर-2 कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना को 56वीं रैंकिंग की अनास्तासिया पोटापोवा ने 7-6 (10-8), 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो बार सर्विस ब्रेक किया, जिसके बाद टाई-ब्रेक में पोटापोवा ने बाजी मारी।

दूसरे सेट में राइबाकिना ने बढ़त जरूर बनाई, लेकिन पोटापोवा ने वापसी करते हुए आठवें और दसवें गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। जीत के बाद पोटापोवा ने कहा कि यह मुकाबला उनके लिए बेहद कठिन था और टीम के सहयोग से वह जीत हासिल कर सकीं। पुरुष एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के टेरेंस एटमेन को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 (7-2) से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने पहले सेट में दो बार सर्विस ब्रेक कर बढ़त बनाई, जबकि दूसरे सेट में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसे उन्होंने टाई-ब्रेक में जीत लिया। इसके अलावा बेल्जियम के युवा खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लॉक्स ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के नंबर-5 कनाडाई खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-6 (7-3), 6-3 से हराया। यह ब्लॉक्स की शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत है।

फोटोः हि.स.

दर्पण विशेष

नृत्यः मूक संवाद की वह धुन, जो रूह को छू ले

मानव इतिहास के सबसे पुराने पन्नों को पलटें, तो पाएंगे कि लिपि के आविष्कार से पहले भी मनुष्य ने अभिव्यक्ति का रास्ता ढूंढ लिया था। वह रास्ता शब्दों से होकर नहीं, बल्कि शरीर की गति और लय से होकर गुजरता था। अग्नि के चारों ओर थिरकते आदिमानव से लेकर आज के आधुनिक स्टेज तक, नृत्य न केवल मनोरंजन का साधन रहा है, बल्कि यह हमारी भावनाओं, संघर्षों और उत्सवों का सबसे ईमानदार दस्तावेज रहा है। हर साल 29 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस' इसी सत्य का जश्न है–कि हम जीवित हैं, और हमारी देह में धड़कने वाली लय ही हमारा सबसे बड़ा परिचय है।

इतिहास की गहरी जड़ें

इस दिवस के पीछे का इतिहास जितना कलात्मक है, उतना ही गहरा भी। 29 अप्रैल की तारीख को चुनने के पीछे एक विशेष तर्क है। यह आधुनिक बैले के जनक कहे जाने वाले जीन-जॉर्जेस नोवेरे का जन्मदिन है। 1727 में जन्मे नोवेरे ने नृत्य की दुनिया को एक नई दिशा दी। उनका मानना था कि नृत्य केवल शारीरिक प्रदर्शन या करतब दिखाने का खेल नहीं है; इसमें कहानी, नाटक और गहरी मानवीय भावनाएं होनी चाहिए। 1982 में 'इंटरनेशनल थिएटर इंस्टीट्यूट' की नृत्य समिति ने उनके जन्मदिन को 'अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस' के रूप में घोषित किया, ताकि पूरी दुनिया को एक साथ इस कला रूप के प्रति जागरूक किया जा सके। आज जब हम 2026 में खड़े हैं, तो यह दिवस और भी प्रासंगिक हो गया है। तकनीक ने दुनिया को एक ग्लोबल विलेज में बदल दिया है, लेकिन इंसान अकेला होता जा रहा है। ऐसे में नृत्य, जो शारीरिक उपस्थिति और सामूहिक तालमेल मांगता है, हमें फिर से एक-दूसरे से जोड़ रहा है।

एक सार्वभौमिक भाषा: जहां शब्द हार जाते हैं

भाषा की सीमाएं होती हैं। आप दुनिया के किसी दूसरे कोने में जाकर अपनी बात शायद न कह पाएं, लेकिन नृत्य? नृत्य को समझने के लिए किसी व्याकरण की आवश्यकता नहीं होती। यह एक ऐसी सार्वभौमिक भाषा है, जो 'इमोशन' पर आधारित है। जब कोई नर्तक स्टेज पर खड़ा होता है, तो वह केवल अपने अंगों का संचालन नहीं कर रहा होता; वह अपने भीतर के डर, प्रेम, क्रोध और शांति को ब्रह्मांड के सामने उजागर कर रहा होता है। भारत के संदर्भ में देखें तो हमारे यहाँ नृत्य का अर्थ ही अलग है। यहाँ नटराज की प्रतिमा में सृष्टि के सृजन और विनाश का चक्र नृत्य के माध्यम से ही दिखाया गया है। चाहे वह शास्त्रीय नृत्य की कठिन मुद्राएं हों या लोक नृत्य की सहज थिरकन–भारतीय संस्कृति में नृत्य 'परमात्मा' तक पहुंचने का एक मार्ग माना गया है। लोक नृत्यों की बात करें, तो हमारी मिट्टी की सोंधी खुशबू उसमें रची-बसी है। खेतों में फसल कटाई के समय जो भांगड़ा होता है, वह केवल शरीर की ऊर्जा नहीं, बल्कि उस पसीने का जश्न है जो धरती को सींचने में बहाया गया था।

विज्ञान और नृत्यः जब दिमाग और लय मिलते हैं

नृत्य को अक्सर लोग केवल 'फिटनेस' से जोड़कर देखते हैं, लेकिन विज्ञान इससे कहीं आगे की बात करता है। हालिया शोध बताते हैं कि नृत्य का हमारे मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जब हम लय के साथ अपने शरीर को हिलाते हैं, तो हमारा दिमाग 'डोपामाइन' और 'एंडोर्फिन' जैसे 'हैप्पी हार्मोन्स' रिलीज करता है। इतना ही नहीं, न्यूरोलॉजिस्ट्स का मानना है कि जटिल नृत्य स्टेप्स याद रखना हमारी याददाश्त को तेज करता है। जो लोग नियमित रूप से नृत्य करते हैं, उनमें अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसे मानसिक रोगों का खतरा कम देखा गया है। नृत्य एक 'कॉग्निटिव एक्सरसाइज' है। यह शरीर के समन्वय को सुधारता है, हड्डियों को मजबूत करता है और सबसे महत्वपूर्ण–मानसिक तनाव को पूरी तरह खत्म करने की क्षमता रखता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में, जहाँ लोग तनाव निवारण के लिए गोलियों की ओर भाग रहे हैं, नृत्य एक प्राकृतिक औषधि के रूप में उपलब्ध है।

आधुनिक युग में नृत्य का स्वरूप

पिछले कुछ वर्षों में नृत्य का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया और डिजिटल क्रांति ने नृत्य को केवल बड़े स्टेज या थिएटर तक सीमित नहीं रखा है। आज एक कमरे में बना हुआ डांस वीडियो दुनिया के लाखों लोगों को प्रेरित कर रहा है। 'इंफ्लुएंसर' संस्कृति ने नृत्य को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब सीखने के लिए किसी बड़े गुरु के पास घंटों बैठना अनिवार्य नहीं रहा; आप ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स के माध्यम से हिप-हॉप से लेकर कथक तक सीख सकते हैं। हालांकि, यहाँ एक चिंता का विषय भी है। क्या नृत्य अपनी गहराई खो रहा है? जब हम नृत्य को केवल 15-सेकंड की 'रील' बनाने के लिए करते हैं, तो क्या हम उस कला की आत्मा को पीछे छोड़ देते हैं? यह वह सवाल है जिस पर नृत्य जगत में गंभीर बहस चल रही है। नृत्य, अपने मूल रूप में, एक 'प्रक्रिया' है। इसमें पसीना है, इसमें वर्षों का रियाज है, इसमें विफलताएं हैं और फिर सफलता है। उसे केवल 'कंटेंट' बना देना उसके साथ अन्याय होगा।

शिक्षा और नृत्यः एक उपेक्षित पहलू

यह विडंबना ही है कि हमारी आधुनिक शिक्षा प्रणाली में नृत्य को अब भी 'एक्स्ट्रा-करिकुलर' कहा जाता है। गणित, विज्ञान और इतिहास के बीच, जो विषय हमें 'इंसान' बनाना सिखाते हैं, उन्हें हाशिए पर डाल दिया गया है। क्या यह आवश्यक नहीं है कि बच्चों को स्कूल में ही यह सिखाया जाए कि अपने शरीर की भाषा को कैसे समझें? कैसे अपनी भावनाओं को शब्दों के बिना बाहर निकालें? नृत्य बच्चों में अनुशासन लाता है, टीम वर्क सिखाता है और सबसे बड़ी बात–उन्हें अपनी बॉडी इमेज के प्रति सकारात्मक बनाता है। एक डांसर कभी अपने शरीर से घृणा नहीं करता, क्योंकि उसे पता है कि उसका शरीर ही उसका सबसे बड़ा औजार है। अंत में, यह समझना आवश्यक है कि नृत्य के लिए आपको एक पेशेवर डांसर होने की आवश्यकता नहीं है। नृत्य तो जीवन की प्रक्रिया में ही निहित है। जब आप अपनी पसंद का गाना सुनकर पैर थिरकाते हैं, या दुख के समय में गुनगुनाते हुए झूम उठते हैं, तो आप नृत्य ही कर रहे होते हैं। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया में जो भी तनाव है, जो भी नफरत की खबरें हैं, उन सबके बीच भी एक लय मौजूद है। हमें बस उस लय को पहचानने की जरूरत है। इस दिवस पर, अपने भीतर के उस नर्तक को जगाएं जो शायद वर्षों से दबा हुआ है। 29 अप्रैल का दिन केवल कैलेंडर पर एक निशान नहीं है, बल्कि एक आमंत्रण है। खुद को थिरकने दें, खुद को बहने दें।

चंडीगढ़ प्रशासन ने अधिकारियों ने छात्रों के लिए सुरक्षित परिवहन को लेकर की बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

उपायुक्त, चंडीगढ़ की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश के सभी निजी शैक्षणिक संस्थानों में स्टूडेंट्स के सुरक्षित परिवहन हेतु नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान यह पाया गया कि कई स्कूलों ने संशोधित भवन योजना की स्वीकृति प्राप्त किए बिना अपने परिसर के लेआउट में बदलाव किए हैं। कई मामलों में स्वीकृत भवन योजनाओं के अनुसार निर्धारित पार्किंग स्थलों को कक्षाओं, खेल मैदानों, कोर्ट अथवा अन्य उपयोगों में परिवर्तित कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप स्कूल परिसरों में पार्किंग की कमी हो गई है, जिससे छात्रों के सुरक्षित चढ़ने और उतरने (बोर्डिंग एवं डी-बोर्डिंग) की व्यवस्था परिसर के भीतर करना कठिन हो रहा है। फलस्वरूप, स्कूलों के बाहर यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, क्योंकि अभिभावकों को सार्वजनिक सड़कों पर ही बच्चों को छोड़ना और लेना पड़ रहा है। जबकि यूटी प्रशासन की रळफ्भढर नीति के अनुसार निम्नलिखित प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाना अनिवार्य है:

पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ: जिन स्कूलों में आंतरिक पार्किंग उपलब्ध है, वे छात्रों को स्कूल परिसर के भीतर ही चढ़ाने और उतारने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहां यह संभव न हो, वहां परिसर के बाहर एक निर्धारित और चिन्हित क्षेत्र बोर्डिंग एवं डी-बोर्डिंग के लिए बनाया जाए।

यातायात प्रबंधन: स्कूलों को अपने स्तर पर स्टाफ/मैनपावर तैनात करनी होगी, जो स्कूल के खुलने और बंद होने के समय परिसर के आसपास यातायात को नियंत्रित करे तथा एक-तरफा यातायात (वन-वे) सुनिश्चित करे, ताकि छात्रों को सड़क पार न करनी पड़े।

इस संबंध में, एस्टेट ऑफिस के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे स्वीकृत संशोधित भवन योजनाओं का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें। स्कूलों को निर्देशित किया जाएगा कि वे पार्किंग हेतु निर्धारित क्षेत्रों में किए गए सभी अतिक्रमण और उल्लंघनों को एक माह के भीतर हटाएं, अन्यथा डिफॉल्टरों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, स्कूल शिक्षा निदेशक को निर्देशित किया गया है कि वे सभी स्कूलों को निर्देश जारी करें कि जहां भी पार्किंग सुविधा उपलब्ध है, वहां छात्रों की बोर्डिंग और डी-बोर्डिंग केवल स्कूल परिसर के भीतर ही सुनिश्चित की जाए।

यह भी बताया गया कि कई शैक्षणिक संस्थानों/स्कूलों की लीज शर्तों के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 15% सीटें निःशुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इस संबंध में, एस्टेट ऑफिस के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सभी लीजधारी स्कूलों में इस प्रावधान के अनुपालन की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

पंचकूला नगर निगम चुनाव-2026 के लिए 10 मई को होगा मतदान

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- 20 वार्डों में कुल 2 लाख 7 हजार 379 मतदाता- रिटर्निंग आफिसर
- मतदान के लिए 20 वार्डों में कुल 204 बूथ स्थापित

पंचकूला नगर निगम चुनाव-2026 के लिए मतदान 10 मई 2026 को होना है। 20 वार्डों में 2 लाख 7 हजार 379 मतदाता है, जिसमें 1 लाख 8 हजार 927 पुरूष, 98 हजार 447 महिलाएं और 5 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

रिटर्निंग आफिसर ने बताया कि वार्ड नंबर 1 में 5 हजार 713 पुरूष और 4 हजार 977 महिलाएं और 1 अन्य, वार्ड नंबर 2 में 5 हजार 658 पुरूष और 5 हजार 442 महिलाएं, वार्ड नंबर 3 में 4 हजार 857 पुरूष और 4 हजार 645 महिलाएं, वार्ड नंबर 4 में 5 हजार 258 पुरूष और 5 हजार 215 महिलाएं, वार्ड नंबर 5 में 5 हजार 454 पुरूष और 5 हजार 421 महिलाएं, वार्ड नंबर 6 में 4 हजार 359 पुरूष और 4 हजार 349 महिलाएं, वार्ड नंबर 7 में 5 हजार 786 पुरूष और 4 हजार 713 महिलाएं, वार्ड नंबर 8 में 5 हजार 61 पुरूष और 3 हजार 850 महिलाएं, वार्ड नंबर 9 में 4 हजार 675 पुरूष और 4 हजार 341 महिलाएं, वार्ड नंबर 10 में 5 हजार 963 पुरूष, 4 हजार 572 महिलाएं और 1 अन्य, नंबर 11 में 5 हजार 692 पुरूष और 5 हजार 218 महिलाएं, नंबर 12 में 5 हजार 930 पुरूष, 5 हजार 521 महिलाएं, वार्ड नंबर 13 में 5 हजार 940 पुरूष, 5 हजार 558 महिलाएं, वार्ड नंबर 14 में 6 हजार 197 पुरूष, 5 हजार 660 महिलाएं, वार्ड नंबर 15 में 4 हजार 779 पुरूष, 4 हजार 23 महिलाएं, वार्ड नंबर 16 में 5 हजार 778 पुरूष, 5 हजार 220 महिलाएं और 3 अन्य, वार्ड नंबर 17 में 6 हजार 328 पुरूष, 5 हजार 829 महिलाएं, वार्ड नंबर 18 में 5 हजार 610 पुरूष, 4 हजार 930 महिलाएं, वार्ड नंबर 19 में 5 हजार 12 पुरूष, 4 हजार 520 महिलाएं, वार्ड नंबर 20 में 4 हजार 877 पुरूष, 4 हजार 443 महिलाएं शामिल हैं।

उन्होने बताया कि मतदान के लिए 20 वार्डों में कुल 204 बूथ स्थापित किए गए हैं। वार्ड नंबर-1 में 10 बूथ, वार्ड-नंबर 2 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 3 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 4 में 11 बूथ, वार्ड नंबर 5 में 11 बूथ, वार्ड नंबर 6 में 9 बूथ, वार्ड नंबर 7 में 11 बूथ, वार्ड नंबर 8 में 8 बूथ, वार्ड नंबर 9 में 8 बूथ, वार्ड नंबर 10 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 11 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 12 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 13 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 14 में 12 बूथ, वार्ड नंबर 15 में 8 बूथ, वार्ड नंबर 16 में 11 बूथ, वार्ड नंबर 17 में 13 बूथ, वार्ड नंबर 18 में 12 बूथ, वार्ड नंबर 19 में 9 बूथ, वार्ड नंबर 20 में 11 बूथ स्थापित किए गए हैं।

सचिवालय, गवर्नमेंट म्यूजियम एवं आर्ट गैलरी, जीएमसीएच-32 तथा जीएमएसएच-16 में स्व-गणना अभियान आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

स्व-गणना अभियान के तहत संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़ के विभिन्न प्रमुख सरकारी संस्थानों में कर्मचारियों की सुविधा के लिए विशेष गतिविधियाँ एवं शिविर आयोजित किए गए। यूटी सचिवालय के मुख्य सचिवालय परिसर में सचिवालय के कर्मचारियों के लिए स्व-गणना अभ्यास आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपनी जानकारी समयबद्ध और सटीक रूप से दर्ज कराई।

इसी क्रम में, गवर्नमेंट म्यूज़ियम एवं आर्ट गैलरी में भी स्व-गणना की प्रक्रिया आयोजित की गई, जहाँ कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया गया, ताकि वे आसानी से अपनी गणना पूर्ण कर सकें। इसके अतिरिक्त, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच-32), चंडीगढ़ तथा गवर्नमेंट मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल (जीएमएसएच-16), चंडीगढ़ में स्वास्थ्य कर्मियों की सुविधा के लिए विशेष स्व-गणना शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा मौके पर ही सहायता उपलब्ध कराकर अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की गई।

ये सभी प्रयास प्रशासन द्वारा स्व-गणना प्रक्रिया को सरल, सुलभ एवं व्यापक बनाने की दिशा में उठाए गए कदम हैं, ताकि सभी विभागों में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। यूटी प्रशासन स्व-गणना प्रक्रिया के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी कर्मचारियों एवं संबंधित पक्षों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेक में एम्बेडेड आर्किटेक्चर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने आज एम्बेडेड आर्किटेक्चर विषय पर एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया। यह लेक्चर 2017 बैच (ईईड) के पूर्व छात्र श्री निखिल अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो वर्तमान में एवरप्योर स्टोरेज सिस्टम्स, प्योर स्टोरेज में फर्मवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। इस अवसर पर डॉ. जयमाला जिंदल एवं विभागाध्यक्ष प्रो. रिंटू खन्ना उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में श्री अरोड़ा ने एम्बेडेड आर्किटेक्चर की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सिस्टम बाहरी संकेतों पर कैसे प्रतिक्रिया करता है। उन्होंने सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि मोबाइल फोन टच को कैसे पहचानता है और कंप्यूटर कीबोर्ड के बटन दबाने को कैसे दर्ज करता है, जिससे जटिल विषय विद्यार्थियों के लिए सहज हो गए।

उन्होंने एम्बेडेड सीपीयू के 50 वर्षों के विकास को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने एम्बेडेड सिस्टम्स में उपयोग होने वाली चार प्रमुख विधियों—पोलिंग, इंटरप्ट्स, टाइम्ड चेक (डिफर्ड पोल) तथा डायरेक्ट मेमोरी एक्सेस (डीएमए) एवं हार्डवेयर क्यूज—पर विस्तार से चर्चा की। इस सत्र में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उद्योग से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर सराहा। यह व्याख्यान शैक्षणिक ज्ञान को वास्तविक तकनीकी अनुप्रयोगों से जोड़ने का एक प्रभावी मंच सिद्ध हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मंथन: पंचकुला में आरपीआई (आठवले) का बड़ा कार्यक्रम कल

चंडीगढ़। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) द्वारा दिनांक 29 अप्रैल 2026 (बुधवार) को पीडब्ल्यूडी विश्राम ग्रह सेक्टर 1 पंचकुला (हरियाणा) में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री रामदास आठवले जी शिरकत करेंगे। उनके आगमन को लेकर कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी, हरियाणा अश्विनी वालिया (कुरुक्षेत्र) ने बताया कि कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा श्री रवि कुंडली (सोनू) सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने, सामाजिक न्याय, एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। यह आयोजन पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। प्रदेश मीडिया प्रभारी अश्विनी वालिया ने सभी कार्यकताओं एवं आम जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालका में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' के उपलक्ष्य में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

पंचकूला। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालका में प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा के कुशल नेतृत्व में, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने लोक प्रशासन और राजनीति विज्ञान विभागों के सहयोग से 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' के उपलक्ष्य में एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका था। इस कार्यक्रम में 24 विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और सतत विकास को गति देने में जमीनी स्तर के शासन के महत्व पर अपने व्यावहारिक विचार प्रस्तुत किए। एक गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, विद्यार्थियों को विजेता घोषित किया गया।प्रथम स्थानः मनिंदर (बी.ए. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान आदित्य शर्मा (बी.ए. प्रथम वर्ष) और तृतीय स्थानः पूनम (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने हासिल किया। विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए योग्यता प्रमाण पत्र और प्रशंसा चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम का सफल आयोजन एसोसिएट प्रोफेसर सुनीता चौहान, डॉ. आशीष कुमार और असिस्टेंट प्रोफेसर सविता द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की सदस्या अंग्रेजी विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर पूजा सिंगल और हिंदी विभाग से डॉ. नीरू शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मॉडल संस्कृति सेक्टर 26 में हुआ बालवाटिका के विद्यार्थियों का भव्य स्वागत

पंचकूला। बालवाटिका -3 के नए महमानों के स्वागत के लिए जिला राजकीय संस्कृति प्राथमिक विद्यालय सेक्टर 26 पंचकूला में विशेष कार्यक्रम का आयोजन जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुमन चौधरी व सहायक निदेशक हरित मलिक की अध्यक्षता में किया गया जिसमें जिला एफएलएन समन्वयक असिन्द्र कुमार व एस डी ई ओ चमन लाल ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य संजीव अग्रवाल की उपस्थिति में बालवाटिका के 3 के विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, माला पहना कर व चॉकलेट देकर विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर निपुण कक्षाओं के विद्यार्थियों को विभाग द्वारा प्रदान किये गए निपुण आई डी कार्ड प्रदान किये गए व निशुल्क पाठ्य पुस्तकें भी वितरित की गयी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एबीआरसी किरण, अध्यापिका चित्रा, अनिता , रितु दुहन ,रितु , नरेश, सरिता, दीपिका व मोनिका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि ने विद्यालय प्रधानाचार्य संजीव अग्रवाल व विद्यालय स्टफ की सराहना की।

साई समर्पित समूह संस्था ने साईं सावली अनाथालय को फ्रिज भेंट किया

चंडीगढ़। साईं समर्पित समूह, चण्डीगढ़ ने एक बार फिर सेवा और भक्ति की मिसाल कायम करते हुए शिरडी स्थित स्थित साईं सावली अनाथालय को 350 लीटर का डबल डोर फ्रिज भेंट किया। इसके अलावा यहाँ रह रहे बच्चों के लिए राशन, शिक्षा की फीस, रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओंके साथ-साथ नकद सहायता भी प्रदान की। संस्था के अध्यक्ष साहिल कुमार ने बताया कि उनकी टीम, जिनमें पवन कुमार उप्पल व कविता आदि साई भक्त शामिल हैं, शिरडी में समय-समय पर सेवा कार्य करती रहती है। साईं सावली अनाथालय में 50 के लगभग बच्चे रहते हैं, जो देश के विभिन्न भागों से हैं और जिनके माता-पिता नहीं हैं।

इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर व्याख्यान का किया आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय केंद्र ने भारतीय संविधान के प्रमुख निमार्ता और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय केंद्र परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने समानता, शिक्षा और सशक्तिकरण के डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा करते हुए समकालीन समाज में उनके विचारों की प्रासंगिकता पर बल दिया। व्याख्यान में समावेशी विकास और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, आधुनिक भारत को आकार देने में उनके जीवन, योगदान और अमिट विरासत को रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर, विद्यार्थियों सहित सभी प्रतिभागियों ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर के आदर्शों का अनुसरण करने और एक न्यायपूर्ण एवं समतावादी समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करने में रुचि दिखाई। उन्होंने शिक्षा को बढ़ावा देने और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों की वकालत करने में उन्हें आदर्श मानने की इच्छा भी व्यक्त की। समावेशी एवं प्रगतिशील समाज की उनकी परिकल्पना पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है।

पंचकूला की रैंकिंग सुधारने में नागरिकों के फीडबैक की अहम भूमिका: विनय कुमार

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- आयुक्त ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में भागीदारी के लिए पंचकूलावासियों से की अपील

नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार ने शहरवासियों से स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे स्वच्छता ऐप या आधिकारिक फीडबैक लिंक के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दर्ज करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों का फीडबैक किसी भी शहर की स्वच्छता रैंकिंग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह प्रक्रिया स्वच्छ सर्वेक्षण का एक प्रमुख आधार है।

श्री विनय कुमार ने आगे कहा कि नागरिकों द्वारा दिया गया फीडबैक नगर निगम को अपनी कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने में सहायता करता है। इससे योजनाओं और नीतियों को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाया जा सकता है।

उन्होंने पंचकूला के सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं अग्रणी बनाने में अपना योगदान दें।

पर्यटन

प्रकृति के सौंदर्य से अभिभूत हुई प्रिंसिपल से लेकर कॉलेज की छात्राएँ

डीएवी कॉलेज फॉर वुमेन, यमुनानगर की छात्राओं ने नेचर कैंप थापली में लिया ट्रैकिंग अनुभव

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

डीएवी कॉलेज फॉर वुमेन, यमुनानगर की छात्राओं ने आज नेचर कैंप थापली में आयोजित विशेष शैक्षणिक एवं साहसिक भ्रमण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को प्रकृति के निकट लाना, पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना तथा उनमें साहस, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना को विकसित करना था। कॉलेज प्रबंधन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने ट्रैकिंग करते हुए प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया।

छात्राएं नेचर कैंप थापली पहुँचीं, जहाँ चारों ओर फैली हरियाली, पहाड़ों की मनमोहक श्रृंखलाएं, शुद्ध वातावरण और पक्षियों की मधुर चहचहाहट ने सभी का स्वागत किया। कैंप स्थल पर पहुँचते ही छात्राओं के चेहरे उत्साह और आनंद से खिल उठे। इसके बाद छात्राओं ने प्रशिक्षकों के निर्देशन में ट्रैकिंग गतिविधि में भाग लिया। पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए छात्राओं ने साहस, संयम और टीम भावना का परिचय दिया।

ट्रैकिंग के दौरान छात्राओं ने प्रकृति को बहुत ही करीब से देखा और महसूस किया। उन्होंने पहाड़ों की सुंदरता, जंगलों की हरियाली, स्वच्छ हवा, बहते जल स्रोतों और प्राकृतिक वातावरण का आनंद लिया। छात्राओं ने कहा कि शहरों की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर यह अनुभव उनके लिए बेहद खास और यादगार रहा। इस भ्रमण ने उन्हें मानसिक शांति, ऊर्जा और आत्मविश्वास प्रदान किया।

नेचर कैंप थापली का सूर्योदय और सूर्यास्त सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। सुबह उगते सूर्य की सुनहरी किरणों ने जब पहाड़ों और घाटियों को आलोकित किया तो पूरा वातावरण अत्यंत रमणीय हो उठा। वहीं शाम के समय सूर्यास्त का दृश्य इतना मनमोहक था कि सभी छात्राएं मंत्रमुग्ध होकर उसे निहारती रहीं। आसमान में बदलते रंगों और ढलते सूरज की छटा ने सभी का मन मोह लिया। छात्राओं ने इस दृश्य को अपने कैमरों में भी कैद किया और इसे जीवन का अनमोल अनुभव बताया।

कार्यक्रम के दौरान यूथ वेलफेयर कोऑर्डिनेटर नरेंद्र सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ह्वनेशन फर्स्टह्व की भावना को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति और विकास में युवाओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। यदि युवा वर्ग अनुशासन, समर्पण, ईमानदारी और सेवा भावना के साथ आगे बढ़े तो राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है।

नरेंद्र सिंह ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय एकता के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारी सबसे बड़ी धरोहर है और इसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित किया कि वे अपने जीवन में सकारात्मक सोच, जिम्मेदारी और देशहित को सर्वोपरि रखें। कॉलेज की छात्राओं ने इस अवसर पर कहा कि यह भ्रमण केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि इससे उन्हें प्रकृति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय मूल्यों के बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक होते हैं और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन होते रहने चाहिए।

शाम को छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग ले कर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि इस भ्रमण कार्यक्रम में डी ए वी कॉलेज की प्रिंसीपल एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी भाग लिया । उन्हें यहाँ की प्रकृति छटा बहुत पसंद पसंद आई उन्होंने कहा कि वो बार बार कॉलेज के ग्रुप्स को ले कर आएगी।